हिन्दी सान्ध्य दैनिक जौनपुर,लखनऊ व भदोही से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live & dkunews24

वर्ष : 01 अंक–92 : जौनपुर, सोमवार 05 दिसम्बर 2022 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

योगी सरकार द्वारा पेश किया गया 33 हजार 769 करोड़ का अनुपूरक बजट

लखनऊ ब्यूरो : यूपी विधानमंडल सत्र के पहले दिन वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने वित्त वर्ष 2022–23 के लिए 33 हजार 769.54 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश किया। बजट में नई योजनाओं के लिए 14000 करोड़ रुपये का प्रस्ताव किया गया है। विधान परिषद में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया। – बजट में शहरों के समुचित व समग्र विकास के लिए 4000 करोड़, निजी औद्योगिक पार्कों में अवस्थापना सुविधाएं विकसित करने को 300 करोड़ रुपए आवंटित किए गए। – स्टार्ट अप व इन्क्यूबेटर के लिए 100 करोड़, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन के लिए 296 करोड़ रुपए दिए गए। – सबसे ज्यादा 8000 करोड़ रुपए की राशि का आवंटन औद्योगिक विकास प्राधिकरणों को निजी इंडस्ट्रियल पार्क व हब विकसित करने के लिए दिए गए हैं। – प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना के लिए 200 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। इसके पहले, सपा नेता मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके निधन को देश व प्रदेश की बड़ी क्षति बताया। अनुपूरक बजट पेश करने को लेकर सोमवार सुबह मुख्यमंत्री आवास पर कैबिनेट बैठक हुई। जिसमें बजट को मंजूरी दे दी गई। अनुपूरक बजट में फरवरी में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए धन का विशेष प्रबंध होगा। नगर विकास विभाग की स्वच्छ भारत मिशन, अमृत योजना, स्मार्ट सिटी व प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए राज्यांश संबंधी मांगें भी इससे ही पूरी होंगी। पीडब्ल्यूडी ने सड़कों के लिए मांगे गए दो हजार करोड़ पीडब्ल्यूडी ने सड़कों के चौड़ीकरण और सुदृ

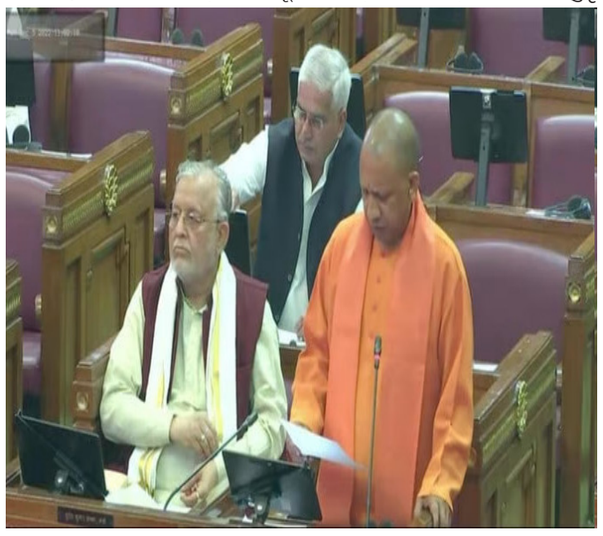

ढ़ीकरण के लिए करीब 2000 करोड़ रुपये मांगे हैं। वहीं सिंचाई विभाग के कंप्यूटराइजेशन के लिए भी राशि मिलने की उम्मीद है। सरकार की घोषणा के तहत युवाओं के लिए निशुल्क टैबलेट व स्मार्ट फोन के लिए भी बजट प्रस्तावित होगा। इसके अलावा अयोध्या में अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट व अन्य सुविधाओं के लिए भी अनुपूरक बजट के माध्यम से धन की व्यवस्था की जाएगी। वहीं कानपुर समेत सभी मेट्रो परियोजनाओं, ग्रेटर नोएडा फिल्म सिटी, जेवर एयरपोर्ट और अन्य बड़े प्रोजेक्ट के लिए भी अतिरिक्त बजट आवंटन किया जा सकता है। स्वास्थ्य और शिक्षा की पहले से चल रहीं योजनाओं को अंतिम रूप देने के लिए संबंधित विभागों को अतिरिक्त बजट का कुछ हिस्सा दिया जाएगा। इसके अलावा पूर्व में पारित वित्त वर्ष 2022–23 का आम बजट 6,15,518.97 लाख करोड़ रुपये का था। अनुपूरक बजट मिलाकर यह लगभग 6 लाख 70 हजार करोड़ के आसपास का हो जाएगा, जोकि अपने आप में एक बड़ा रिकॉर्ड होगा। आम बजट प्रस्तुत करते समय सदन में वित्त मंत्री ने कहा था कि कुल राजस्व प्राप्तियां 590951 करोड़ रुपये अनुमानित हैं। कुल प्राप्तियों में 499212 करोड़ रुपये राजस्व से आएंगे और 91739 करोड़ रुपये की पूंजीगत प्राप्तियां शामिल हैं।

बेकाबू कार ने तोड़ा रेलवे क्रॉसिंग का गेट : एक घंटे खड़ी रही पैसेंजर ट्रेन

रायबरेली ब्यूरो : रायबरेली के ऊंचाहार रेलखंड पर स्थित 1– सवैया धनी रेलवे क्रासिंग को अनियंत्रित कार ने तोड़ दिया और बीच ट्रैक पर फंस गई जिससे रायबरेली जा रही आरयूसी पैसेंजर को रास्ते में रोकना पड़ा। आरपीएफ ने कार को ट्रैक से बाहर किया और जंजीर लगाकर ट्रेन रवाना की। इस दौरान ट्रेन लगभग एक घंटे रास्ते में ही रुकी रही। कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। रविवार की रात कानपुर से रायबरेली के लिए जा रही आरयूसी पैसेंजर को ऊंचाहार स्टेशन से रवाना किया गया। ट्रेन के स्टेशन से छूटते ही गेटमैन ने क्रासिंग बंद कर दी। इस दौरान कानपुर की तरफ से आ रही कार अनियंत्रित होकर क्रासिंग से टकरा गई और उसका बूम तोड़ते हुए बीच ट्रैक में फंस गई। यह देख गेटमैन राजीव कुमार पटेल ने आनन फानन ट्रेन को खतरे का सिग्नल दिया जिससे ट्रेन व्यवहार गांव के पास रास्ते में ही रुक गई। सूचना स्टेशन को दी गई। सूचना मिलने पर आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची और चालक को हिरासत में लेकर

कार को ट्रैक से बाहर किया। गेटमैन ने जंजीर लगाकर ट्रेन को आगे रवाना किया। इस दौरान ट्रेन लगभग एक घंटे रास्ते में ही रूकी रही। रात में गेट के मरम्मत का काम नही हो सका। सोमवार की सुबह वरिष्ठ सिग्नल अभियंता तौफीक अहमद के रेलकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और बूम की मरम्मत कर यातायात सामान्य किया। उधर, आरपीएफ ने कार चालक अजीत मिश्रा पुत्र वासुदेव मिश्रा निवासी नरई थाना संग्रामगढ़ जिला प्रतापगढ़ के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। स्टेशन अधीक्षक विनोद कुमार त्रिपाठी ने बताया कि कार ने गेट तोड़ दिया था। चालक के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है।

रस्सी से गला कसकर नवविवाहिता को उतारा मौत के घाट :मामले में पति हुआ गिरफ्तार

महराजगंज ब्यूरो : महराजगंज के एक गांव में सोमवार सुबह पति ने मां–बाप के साथ मिलकर अपनी ही पत्नी का गला रस्सी से कसकर हत्या कर दी। उसके बाद शव को ठिकाने लगाने के लिए गांव से बाहर निकल पड़े। इस बीच किसी ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगे। पुलिस ने दौड़ाकर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया, जबकि अन्य आरोपी भागने में सफल रहे। चौक थाना क्षेत्र के विजयपुर निवासी राजाराम चौधरी ने बताया कि मृतक पूनम उर्फ नीलम चौधरी (28) उनकी नतिनी थी। साल पहले उसका विवाह नगदी और बाइक देकर धूमधाम से निचलौल थाना क्षेत्र के गिरहिया गांव के टोला बंजारी पट्टी निवासी विशाल उर्फ नागू चौधरी से किया था। कुछ दिनों तक पूनम अपने ससुराल में ठीक से रही। उसके बाद उसका पति अपनी मां, बाप के बहकावें में आकर दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगा। जिसकी जानकारी उसने दी थी, जिसे लेकर कई बार पंचायत भी हुई। उसके बाद भी नतिनी को उसका पति, मां–बाप के साथ मिलकर मारता पीटता था। इसी बीच सोमवार सुबह मोबाइल के जरिये सूचना मिली कि पूनम का पति मां, बाप के साथ मिलकर उसका गला रस्सी से कसकर हत्या कर दी। मौके पर पहुंच कर देखा तो मृतक के शरीर पर कई जगह चोट के निशान के साथ गले को रस्सी से कसा गया था। इंस्पेक्टर आंनद कुमार गुप्ता ने कहा कि मृत नवविवाहिता के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौके से आरोपी पति को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत शैक्षिक सत्र 2022–23 के लिए संशोधित नवीन समय–सारिणी निर्गत

जौनपुर सू.वि. : जिला समाज कल्याण अधिकारी ने अवगत कराया है कि अनु सचिव उत्तर प्रदेश शासन समाज कल्याण अनुभाग–3 व निदेशालय समाज कल्याण उ0प्र0 लखनऊ द्वारा यह निर्देश दिया गया है कि जनपद में संचालित समस्त शिक्षण संस्थाओं को सूचित किया जाता है कि कक्षा 11–12 एवं अन्य दशमोत्तर कक्षाओं हेतु दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत शैक्षिक सत्र 2022–23 के लिए संशोधित नवीन समय–सारिणी निर्गत की गयी है। 01 दिसम्बर 2022 से 10 दिसम्बर 2022 तक छात्र/छात्राओं को आनलाइन आवेदन किया जाना, 02 दिसम्बर 2022 से 14 दिसम्बर 2022 तक छात्र/छात्राओं द्वारा आनलाइन आवेदन पत्र की हार्डकापी समस्त वांछित संलग्नको सहित विद्यालय में जमा किया जाना, 02 दिसम्बर 2022 से 19 दिसम्बर 2022 तक छात्र/छात्राओं द्वारा जमा किये गये आवेदन पत्रो का शिक्षण संस्थान द्वारा समस्त अभिलेखो का मिलान किया जाना एवं ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करना, अपात्र छात्रो का आवेदन निरस्त करना तथा पात्र छात्रो का आवेदन ऑनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित करना, 06 जनवरी 2023 से दिनांक 13 जनवरी 2023 तक सन्देहास्पद डाटा को कारणो सहित छात्र/छात्राओं के लागिन पर प्रदर्शित किया जाना एवं आनलाइन आवेदन में की गयी त्रुटियों को छात्र द्वारा ठीक किया जाना तथा संस्था को अभिलेखो सहित उत्तर देना, 16 जनवरी 2023 तक छात्र/छात्राओं द्वारा त्रुटियों को ठीक करते हुए वांछित संलग्नको सहित हार्डकापी शिक्षण संस्था में जमा किया जाना तथा संस्था को अभिलेखो सहित उत्तर देना है। उन्होंने समस्त शिक्षण संस्था/विश्वविद्यालय एवं अन्य एफिलियेटिंग एजेन्सी के नोडल अधिकारी उपरोक्त समय–सारिणी के अनुसार अपनी–अपनी संस्थाओं को अवगत करते हुए कड़ाई से अनुपालन करना सुनिश्चित करें।

गुलाबी देवी महाविद्यालय में महिला शक्ति केंद्र द्वारा किया गया राष्ट्रीय जेंडर अभियान व महिला जागरूकता कार्यक्रम

जौनपुर सू.वि. : जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देशानुसार राष्ट्रीय जेंडर अभियान व महिलाओं के खिलाफ हिंसा और भेदभाव के उन्मूलन के बारे में जागरूकता बढ़ाने हेतु जागरूकता कार्यक्रम गुलाबी देवी महाविद्यालय में महिला शक्ति केंद्र द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम में महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओं और हेल्पलाइन नम्बरों 112, 1090, 1098, 181, 1076 आदि के बारे में छात्राओं को जानकारी दी गई। छात्राओं को बताया कि महिलाओं को पुरुषों के समकक्ष समझा जाए। बेटा–बेटी में किसी प्रकार का भेदभाव न किया जाए और बालिकाओं को अधिक से अधिक शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया गया, लिंग भेदभाव और कुरीतियों को समाप्त करने व महिलाओं के विरुद्ध हो रही हिंसा तथा भेदभाव को समाप्त करने के लिए सभी छात्राओं को जागरूक किया गया। महिला कल्याण विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के

पंपलेट वितरित किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्य द्वारा छात्राओं को बताया गया कि जरूरत पड़ने पर या कोई भी समस्या होने पर हेल्पलाइन नंबर का प्रयोग करे। उक्त कार्यक्रम में महिला कल्याण अधिकारी नीता वर्मा, जिला समन्वयक प्रतिभा सिंह, बबिता, विद्यालय की अध्यापिका व छात्राएं उपस्थित रही।

कमिश्नरेट में मिले अधिकारों से बनाएंगे सुरक्षित माहौल ज्यादा जिम्मेदार होगी पुलिस

प्रयागराज ब्यूरो : पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू हो चुकी है और इसके बारे में बहुत कुछ–सुना और पढ़ा जा चुका है। लेकिन अब भी इसे लेकर कई सवाल लोगों के मन में उमड़ रहे हैं। इन्हीं सवालों का जवाब जानने के लिए अमर उजाला ने प्रयागराज के नए पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा से विस्तार से बात की। उनका कहना है कि कमिश्नरेट प्रणाली में पुलिस को जो अधिकार मिले हैं, उनके जरिये लोगों को सुरक्षित माहौल प्रदान करना उनका मुख्य उद्देश्य है। साथ ही यह भी कहा कि अधिकार मिलने से पुलिस समाज के प्रति अपने कर्तव्यों के पालन को लेकर और जिम्मेदार बनेगी। प्रयागराज आपके लिए नया नहीं है, ऐसे में यहां कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने के बाद पुलिस के लिए मुख्य चुनौती क्या हैं। कमिश्नरेट प्रणाली लागू करने का उद्देश्य है कि समाज में पुलिस के प्रति विश्वास और बढ़े। लोग सुरक्षित होने का अहसास करें। पुलिस ज्यादा तत्परता से समाज को भयमुक्त करने के लिए कार्य कर सके। फिलहाल चुनौती यही है कि आम लोगों में कमिश्नरेट की साख स्थापित की जाए। ताकि इसकी स्थापना के उद्देश्यों को पाया जा सके। अफसरों की संख्या बढ़ेगी लेकिन अब भी पुलिसिंग की आधार इकाई थानेदार, दरोगा व सिपाही ही होंगे। ऐसे में पुलिसिंग में क्या बदलाव आएगा। अफसरों की संख्या बढ़ेगी तो पर्यवेक्षण के स्तर में भी सुधार होगा। थाने, चौकियों पर होने वाले कार्य का पर्यवेक्षण अब कई स्तरों पर हो सकेगा। एसीपी के बाद आईपीएस अफसर मॉनिटरिंग करेंगे। त्वरित निर्णय लेने में भी आसानी होगी। ऐसे में पर्यवेक्षण बढ़ने से निःसंदेह पुलिसिंग में सुधार होगा। एक–एक शख्स की जिम्मेदारी तय होगी तो वह अपने कार्यों को लेकर भी पूरी तरह से सजगता बरतेगा। मजीस्टिरियल शक्तियां मिलने के बाद एक आशंका यह भी है कि पुलिस मनमाना कार्रवाई करेगी, इस पर आपका क्या कहना है। जब शक्तियां मिलती हैं तो उसी के अनुसार जिम्मेदारी भी बढ़ती है। यहां भी ऐसा ही है। प्रक्रिया के साथ–साथ कार्रवाई का भी अधिकार मिला है तो निश्चित ही पुलिस और जिम्मेदार बनेगी। ऐसे में मनमाना कार्रवाई का तो सवाल ही नहीं उठता। एक और बात यह है कि जहां कमिश्नरेट प्रणाली पहले से लागू है, वहां क्या ऐसी कोई शिकायत कभी सामने आई। मेरा यही कहना है कि यह आशंकाएं गलत हैं और यह वही लोग फैला रहे हैं जो कानून का उल्लंघन करने वाले हैं और उन्हें खुद पर कार्रवाई का डर है। एक आम नागरिक की तरह बात की जाए तो कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने से उसे क्या फायदा होगा। कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने का सबसे बड़ा फायदा आम नागरिक को ही है। भयमुक्त समाज की स्थापना और सुरक्षित माहौल मिलने के अलावा कई सुविधाएं एकीकृत होने का फायदा भी उसे ही मिलेगा। एक छोटा सा उदाहरण यह है कि अभी जुलूस, कार्यक्रम, प्रदर्शन की अनुमति के लिए उसे अलग–अलग दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते हैं। जबकि कमिश्नरेट प्रणाली में एसीपी कार्यालय से ही उसका काम हो जाएगा। एनसीआरबी के आंकड़े कहते हैं कि साइबर अपराध के मामले में प्रयागराज देश के कई बड़े शहरों से आगे है और आज के दौर में इनसे निपटना पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती है, इसे लेकर क्या तैयारी है। इसके लिए दो तरह से काम किया जाएगा। पहली बात तो यह है कि साइबर अपराध से बचने के लिए लोगों का खुद जागरूक होना बहुत जरूरी है। इसे ऐसे समझिए कि साइबर अपराधी आपको निशाना बनाने के लिए आपकी चूक को ही हथियार की तरह इस्तेमाल करते हैं। मसलन ओटीपी, खाते संबंधी विवरण या अन्य संवेदनशील जानकारियां आप ही साझा करते हैं। ऐसे में जागरूकता बहुत जरूरी है। दूसरी बात यह है कि ट्रेनिंग, कार्यशाला आदि से पुलिसकर्मियों को और दक्ष बनाया जाएगा ताकि वह गुणवत्तापूर्ण ढंग से साइबर अपराध के मामलों का निस्तारण कर सकें। अपने नए सीपी के बारे में यह भी जानिए इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, 1992 में आईआईटी–जेईई में देश भर में 21वीं रैंक हासिल की। उत्कृष्ट सेवा के लिए डीजीपी कमेंडेशन डिस्क (तीनों श्रेणियों) के साथ 2015 में प्रेसीडेंट पुलिस मेडल। विश्व बैंक की ओर से साउथ कोरिया में आयोजित 'बिल्डिंग लीडर्स इन अर्बन ट्रांसपोर्ट एंड प्लानिंग' में प्रशिक्षण। 'यूजिंग सोशल मीडिया फॉर इंटेलिजेंस कलेक्शन' विषय पर रिसर्च पेपर भी तैयार किया। (मुरादाबाद में तैनाती के दौरान संभल में पेशी पर जाते वक्त दो पुलिसकर्मियों की हत्या कर मुल्जिमों के फरार होने के बाद यह रिसर्च पेपर तैयार किया था।)

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

छात्रवृत्ति आवेदन की बढ़ी तिथि

जौनपुर सू.वि. : जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी सुरेश कुमार मौर्य ने अवगत कराया है कि प्रदेश सरकार से मान्यता प्राप्त जनपद के इण्टरमीडिएट कालेजों/उच्च शिक्षा/तकनीकी/व्यवसायिक/ चिकित्सा पाठ्यक्रमों से सम्बन्धित शैक्षिक संस्थानां एवं उनमें अध्ययनरत अन्य पिछड़ा वर्ग, अनु0 जाति, अ0ज0जाति, सामान्य वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के छात्र/छात्राओं को प्रदेश सरकार की छात्रवृत्ति योजना में ऑनलाईन आवेदन से वंचित रह गये छात्र/छात्राओं आच्छादित किये जाने हेतु उ0प्र0 शासन के शासनादेश द्वारा संषोधित समय–सारणी जारी की गयी है, जिसके अनुसार आवेदन से वंचित छात्रों को पुनः ऑनलाईन आवेदन का मौका प्रदान किये जाने हेतु 01 दिसम्बर 2022 से 10 दिसम्बर, 2022 तक छात्रवृत्ति पोर्टल छात्रां हेतु खोला गया है। ऑनलाइन आवेदन के उपरांत फाइनल प्रिंटआउट निकालने से पूर्व तीन कार्यदिवसों में छात्र/छात्रा द्वारा आवेदन में की गयी कतिपय त्रुटियॉ यथा–हाईस्कूल/इण्टरमीडिएट रोल नम्बर, आय जाति प्रमाण पत्र/आवेदन क्रमांक को राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, लखनऊ द्वारा छात्रवृत्ति पोर्टल पर स्टूडेन्ट सेक्शन में प्रदर्शित किया जायेगा। छात्र छात्रवृत्ति आवेदन का फाइनल प्रिंटआउट समस्त संलग्नकों सहित 14 दिसम्बर 2022 तक अपने शिक्षण संस्थान में प्रस्तुत करेंगे। शिक्षण संस्थान द्वारा छात्र के आवेदन पत्र में अंकित प्रविष्टियों का मिलान/परीक्षण संलग्न किये गये प्रपत्रों से करते हुए दि0 19 दिसम्बर, 2022 तक अपात्र छात्रों का आवेदन निरस्त एवं पात्र छात्रों का आवेदन शिक्षण संस्थान की लॉगिन से ऑनलाईन सत्यापित एवं अग्रसारित करेंगे। छात्र/छात्राओं द्वारा ऑनलाईन आवेदन में भरे गये समस्त डाटा का परीक्षण राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, लखनऊ द्वारा करते हुए संदेहास्पद डाटा को कारणों सहित छात्र/छात्राओं के लॉगिन पर प्रदर्शित किया जायेगा, जिसके सापेक्ष त्रुटियों को छात्र द्वारा ऑनलाईन संशोधित किये जाने के उपरांत संशोधित हार्डकापी 06 जनवरी 2023 से 13 जनवरी 2023 तक अपने संस्थान में पुनः जमा की जायेगी, जिसे सम्बन्धित शिक्षण संस्थान परीक्षण करते हुए 19 जनवरी, 2023 तक ऑनलाईन सत्यापित/अग्रसारित करेंगे तथा छात्र द्वारा प्रस्तुत किये गये संशोधित विवरण/अभिलेखों को वर्गवार कल्याण सेक्टर के सम्बन्धित जिला स्तरीय कार्यालयों में 19 जनवरी 2023 तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

सड़क हादसों में रिटायर्ड वायुसेना कर्मी समेत तीन की मौत व दो घायल

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर में कैंट, गीडा व सहजनवां इलाके में हुए सड़क हादसों में रिटायर्ड वायुसेना कर्मी सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के मुताबिक, कैंट इलाके की एयरफोर्स चौकी के पास वाहन की चोट में आने से वायुसेना से सार्जेंट पद से रिटायर विभूति शरण पांडेय (60) की मौत हो गई। मूल रूप से देवरिया के मईल के बलिया उत्तर निवासी विभूति शरण पांडेय रिटायर होने के बाद शाहपुर थाना क्षेत्र के सैनिक विहार सेक्टर बी में आवास बनवाकर कर परिवार समेत रहते थे। रोज की तरह वे रविवार सुबह घर से मार्निंग वाक पर निकले थे। एयरफोर्स फुटहिया तिराहे के पास जंगल रामगढ़ उर्फ रजही की ओर से आ रही एक बाइक ने उन्हें ठोकर मार दी। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पाली प्रतिनिधि के मुताबिक, सहजनवां थाना क्षेत्र के रिठुआखोर निवासी विनोद गुप्ता की बाइक में रविवार को अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी। जिससे बाइक पर सवार उनकी पत्नी कुसुम (22) की मौत हो गई। व ससुर लालचंद गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। विनोद को चोट नहीं लगी। तीनों संतकबीरनगर के बखिरा जा रहे थे। पादरी बाजार प्रतिनिधि के मुताबिक, गीडा के कालेसर मुक्तिधाम के पास बुलेट सवार व्यापारी की सड़क पर खड़ी डंपर में टक्कर होने से मौत हो गई। जबकि, साथी गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जानकारी के मुताबिक, गुलरिहा इलाके के नहर रोड स्थित शिवपुर सहबाजगंज निवासी लक्ष्मी नारायण प्रजापति (50) घर में ही आटा चक्की की दुकान चलाते थे। शनिवार की शाम बुलेट बाइक से मोहल्ले के राजनाथ को लेकर संतकबीरनगर थाना दुधारा के भैस मैथानी में एक शादी समारोह मे शामिल होने गए थे। रास्ते में हादसा हो गया। लक्ष्मी नारायण की मौत हो गई, जबकि राजनाथ को भर्ती कराया गया।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

जो दूसरों को जानता है वह बुद्धिमान है, जो स्वयं को जानता है वह ज्ञानवान है।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

एटनबरो और गांधी : कालजयी फिल्म गांधी को आज चालीस वर्ष पूरे

एटनबरो के दस्तावेज में कई और आलोचनात्मक समीक्षाएं हैं और न्यूयॉर्क के साप्ताहिक, विलेज वॉयस में छपी एंड्र्यू सैरीस की समीक्षा सबसे तीखी है।

इस हफ्ते रिचर्ड एटनबरो की कालजयी फिल्म गांधी को आए चालीस वर्ष पूरे हो गए। एटनबरो के दस्तावेज लंदन से ट्रेन से घंटे भर की दूरी पर स्थित एक अभिलेखागार में सुरक्षित रखे हुए हैं। हाल ही में अपने प्रवास के दौरान मुझे इस निर्देशक द्वारा बनाई गई इस सबसे महत्वपूर्ण फिल्म की समीक्षाओं से संबंधित अनेक फाइल्स मिलीं। इनमें द टेलीग्राफ में प्रकाशित युवा तवलीन सिंह का आकलन भी था, जिन्होंने एटनबरो की इस कृति के बारे में लिखा, 'अपनी जिंदगी में मैंने जो तीन या चार महान फिल्में देखी हैं, उनमें से एक, और निश्चित रूप से सर्वाधिक प्रभावित करने वाली फिल्मों में से एक।' विदेशियों में इस बात को लेकर कुड़कुड़ाहट थी कि इस फिल्म की फंडिंग भारत सरकार ने की थी। सिंह ने ऐसी आलोचनाओं को खारिज किया और लिखा, 'गांधी को देखने के बाद, मैं यह विश्वास कर सकती हूं कि पैसे सही जगह खर्च किए गए। एटनबरो ने गांधी पर सबसे बड़ी संभावित फिल्म बनाई है। भारत उनके प्रति कृतज्ञता का ऋणी है।'

उसी पीढ़ी की एक अन्य महिला समीक्षक कुछ कम उत्साहित थीं। यह थीं, अमृता अब्राहम और उन्होंने संडे ऑब्जर्वर में लिखा था। बेन किंग्सले के अभिनय की तारीफ करने के साथ ही उन्होंने टिप्पणी की कि 'गांधी के अलावा अन्य भारतीय पात्रों को वैकल्पिक विचारों या रणनीतियों के गंभीर नायकों के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय साधारण पुरुषों के रूप में प्रस्तुत किया गया।' गांधी पर अनथक ध्यान केंद्रित कर फिल्म ने अनेक पक्षीय स्वतंत्रता आंदोलन का मौलिक रूप से सरलीकृत संस्करण प्रस्तुत किया है। न ही इसने मुख्य किरदार के नैतिक दृष्टिकोण के साथ न्याय किया है। अब्राहम ने लिखा, 'तीन घंटे की फिल्म में गांधी के प्रमुख विचारों को अनिवार्य रूप से जगह दी गई : स्वदेशी, भौतिकतावादी चीजों का त्याग, नैतिक और राजनीतिक उद्देश्यों के लिए सांकेतिक कार्रवाई, नागरिक अवज्ञा और अहिंसक लेकिन सक्रिय प्रतिक्रिया। लेकिन निजी कृत्यों और राजनीतिक परिणामों को एकीकृत करने वाली एकल, केंद्रीय दृष्टि के रूप में गांधीवाद, व्यक्तिगत विवेक को हिंदू विश्वास की कसौटी बनाता है, समय–समय पर विभाजित होता है और विचार कभी–भी पूरी दृष्टि में एक साथ नहीं आते हैं।'

एटनबरो के दस्तावेज में कई और आलोचनात्मक समीक्षाएं हैं और न्यूयॉर्क के साप्ताहिक, विलेज वॉयस में छपी एंड्र्यू सैरीस की समीक्षा सबसे तीखी है। सैरिस ने टिप्पणी की, 'गांधी से आशय एक व्यक्ति नहीं, बल्कि कुछ चीजों से हैय वास्तव में बहुत–सी चीजों से हैः भारतीय स्वतंत्रता, अहिंसा, करिश्माई वैराग्य, नस्लीय और धार्मिक भेदभाव, उपनिवेशवाद, साम्राज्यवाद, शोषण और कहने की जरूरत नहीं कि इतिहास से। वास्तव में, फिल्म का संभावित विषय इतना विशाल है कि 188 मिनट का यह सुपर–प्रोडक्शन अधूरा और अविकसित लगता है। निर्देशक एटनबरो और उनके पटकथा लेखक जॉन ब्रेली को अनंत और संभावनाओं की अनंतता से कुछ दृश्य और कुछ घटनाओं का चयन करने के लिए मजबूर किया गया है।'

यह स्वीकार करते हुए, कि कई ऐसे क्षण आते हैं, जब फिल्म जीवंत लगती है, अमेरिकी समीक्षक ने अपनी आमतौर पर नकारात्मक समीक्षा का अंत इस तरह से किया, 'एटनबरो की गांधी की अवधारणा की सबसे बड़ी खामी यही है कि एक जटिल इतिहास को कमतर कर एक आकर्षक कहानी में बदल दिया गया।'

कुछ अंग्रेजों ने भी आलोचनात्मक टिप्पणियां की हैं। न्यू म्यूजिकल एक्सप्रेस में रिचर्ड कूक ने लिखा, 'कुछ शानदार अभिनय के बावजूद अंत में फिल्म ऐतिहासिक पुतलों की परेड जैसी हो जाती है।' कूक की समीक्षा का अंतिम वाक्य दिलचस्प हैः 'मुझे सत्यजीत रे की गांधी देखने में दिलचस्पी होगी।' स्वाभाविक रूप से रिचर्ड एटनबरो को सकारात्मक समीक्षाएं भी मिलीं। इनमें श्रीलंकाई पत्रकार तार्जेइ विट्टाची की एशिया वीक में छपी भावपूर्ण समीक्षा शामिल थी। विट्टाची उन 49 मेहमानों में शामिल थे, जिन्हें विशेष रूप से फिल्म के पूर्वावलोकन के लिए न्यूयॉर्क आमंत्रित किया गया था। उन्होंने एटनबरो की गांधी के बारे में लिखा, 'सिनेमा की मेरी पचास साल पुरानी लत के दौरान यह सर्वाधिक प्रभावित करने वाली फिल्म मैंने देखी। उत्साह से भरपूर होकर हम स्क्रीनिंग रूम से निकले, हर कोई एक तरह की आध्यात्मिक उदारता से प्रभावित था और इस रहस्योद्घाटन से विस्मय के भाव से भरा हुआ था कि असली सत्ता बंदूक की नली से नहीं निकलती।'

अपने जीवन काल में, गांधी एक बहुत ही विवादास्पद व्यक्ति थे, व्यापक रूप से और ईमानदारी से उनकी जितनी प्रशंसा की गई, उतनी ही उनकी जमकर निंदा की गई। इसलिए यह अचंभित करने वाली बात नहीं थी कि उनकी मृत्यु के साढ़े तीन दशक बाद उनके बारे में बनी एक बड़े बजट की बहुत चर्चित फिल्म इतनी जोरदार और अलग–अलग प्रतिक्रियाओं को आकर्षित करेगी। मैंने पहली बार इसे प्रदर्शित होने पर सिनेमा हॉल में देखा था, और तब से इसे कई बार देखा है, आमतौर पर गांधी की विरासत पर एक पाठ्यक्रम में छात्रों के साथ जिसे मैंने वर्षों से पढ़ाया है।

मुख्य भूमिका में बेन किंग्सले शानदार थे। सांप्रदायिक सद्भावना के लिए गांधी के अंतिम उपवासों का चित्रण संवेदनशील और मार्मिक ढंग से किया गया है। दूसरी ओर, अधिकांश अन्य पात्रों को कम दृढ़ विश्वास के साथ निभाया गया था, जबकि गांधी के कुछ सबसे उल्लेखनीय समकालीन और प्रतिद्वंद्वियों, जैसे कि भीमराव आंबेडकर और सुभाष चंद्र बोस, रहस्यमय रूप से फिल्म में बिल्कुल भी शामिल नहीं थे।

मैं इस 'समीक्षाओं की समीक्षा' को उस शख्स की प्रतिक्रिया के बारे में बताकर समाप्त करना चाहता हूं, जिसने फिल्म के लिए भारत सरकार के वित्त पोषण की हरी झंडी दी, अर्थात्, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी। विनोद मेहता के साथ एक साक्षात्कार में, एटनबरो ने दावा किया कि जब उन्होंने प्रधानमंत्री को फिल्म दिखाई थी, तो उन्होंने केवल दो सुझाव दिएः 'उन्होंने कहा, चूंकि आप बापू के जीवन को तीन घंटों में समेटने की कोशिश कर रहे हैं, मैं आपसे आग्रह करती हूं कि फिल्म की शुरुआत में इस आशय का एक बयान दें। उन्होंने जो दूसरी टिप्पणी की, वह यह थी कि बा का संवाद, जो कि विशेष रूप से शुरुआती वर्षों की समकालीनता से जुड़ा था। उन्होंने कहा कि 90 साल पहले महिलाएं अपने पति से बेहद औपचारिक तरीके से बात करती थीं। उन्होंने सुझाव दिया कि मैं इसे फिर से देखूं। मैंने उनके दोनों सुझावों का पालन किया।'

दो अक्तूबर, 1982 को इंदिरा गांधी ने अपने अमेरिकी दोस्त डोरोथी नॉर्मन को लिखा, 'गांधी फिल्म की शुरुआत शानदार ढंग से हुई है। यह प्रभावशाली है। यह अच्छा है कि दुनिया गांधी जी के विचार से अवगत हो। फिर भी, उन लोगों के लिए जिन्होंने वह दौर देखा था, फिल्म दर्शनीय है, भव्य और शक्तिशाली है, हालांकि इसमें भारत की भावना में निहित कुछ अच्छी बातों का अभाव भी है। त्रासदी यह है कि कोई भी भारतीय फिल्म निर्माता उस शानदार जन आंदोलन की महानता या उसे नेतृत्व देने वाले उन उल्लेखनीय पुरुषों और महिलाओं (लगभग हर जिले में इसके नायक और नायिकाएं हैं) से प्रभावित नहीं हुआ है। गांधी जी उसके शिखर थे। फिल्म उन्हें एक नाटकीय 'सुपर स्टार' जैसा मसीहा बनाती है – वह जितना थे, उससे अधिक नहीं, बल्कि अन्य कारकों को कम करने की वजह से थोड़ा कमतर। सतही, लेकिन देखने योग्य– रिचर्ड एटनबरो की गांधी के बारे में यह इंदिरा गांधी का आकलन था। और सचमुच ऐसा ही था।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में सिर में गोली लगने से छात्र की मौत : किराए के मकान में छत पर मिला शव

मिर्जापुर ब्यूरो : देहात कोतवाली के जमुनिया स्थित एक किराए के मकान में रह रहे छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में सिर में गोली लगने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है। छात्र का शरीर मकान की छत पर मिला है। उसके हाथ में तमंचा है। सुसाइड नोट भी मिला। जिसमें उसने आर्थिक कारणों का जिक्र किया है। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि छात्र ने तमंचे से अपनी जान ले ली। देहात कोतवाली क्षेत्र के खुटहा निवासी अजय यादव (20) पुत्र लक्ष्मी शंकर यादव पिछले चार वर्ष से जमुनहिया स्थित एक किराए के मकान में रह रहा था। मकान के ग्राउंड फ्लोर के कमरे में वह रहता था। वो पढ़ाई करने के साथ बच्चों को कोचिंग भी पढ़ाता था। सोमवार की सुबह जब एक बच्चा कोचिंग पढ़ने के लिए आया लेकिन वह कमरे में नहीं था। उसकी खोजबीन की जाने लगी तो मकान के छत पर उसका शव मिला। उसके बाएं हाथ में तमंचा पड़ा था। कमरे की तलाशी लेने पर उसमें एक सुसाइड नोट मिला। सुसाइड नोट में उसने तमंचा मिलने से लेकर अन्य कारणों को बताया। सुसाइड नोट में आर्थिक समस्याओं का जिक्र करने के साथ ही उसने खुद के शव को गांव में अंतिम संस्कार ना करने को लिखा था। जमुनहिया में ही अंतिम संस्कार किए जाने का भी जिक्र किया। उसने

सुसाइड नोट में तमंचा मिलने के बारे में भी जिक्र किया है। शव मिलने की सूचना मकान मालिक ने पुलिस को दी। सूचना मिलने पर देहात कोतवाल विपिन सिंह मौके पर पहुंचे। इसके बाद एसपी सिटी श्रीकांत प्रजापति, सीओ सदर शैलेंद्र त्रिपाठी डाग स्क्वाड और फील्ड यूनिट के साथ मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गए। पुलिस की मानें तो प्रथम दृष्टया आत्महत्या का मामला लग रहा है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। एसपी सिटी श्रीकांत प्रजापति ने बताया कि किराए के मकान में रह रहे छात्र ने सुसाइड नोट लिखकर खुद को गोली मारकर जान दी है। मामले की जांच की जा रही है।

आम के पेड़ से एक ही रस्सी के सहारे लटकते मिले जीजा–साली के शव : वर्षों से चल रहा था प्रेम

रायबरेली ब्यूरो : गुरुबख्शगंज थाना क्षेत्र में बसिगंवा गांव के किनारे सोमवार को सुबह आम के पेड़ से एक महिला व एक युवक का शव फांसी के फंदे से लटका मिला। ग्रामीणों ने देखा तो गांव में सनसनी मच गई। किसी ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर दोनों शव उतरवाए। शिनाख्त कराई गई तो पता चला कि मृतकों का जीजा साली का रिश्ता है और दोनो के बीच लंबे समय से प्रेम प्रसंग भी चल रहा था। महिला तीन बच्चों की मां भी है। घटना की सूचना पर लालगंज सीओ, एएसपी व एसपी ने भी मौका मुआयना किया। फारेंसिक टीम ने घटनास्थल पर मृतकों के फिंगर प्रिंट व साक्ष्य एकत्र किये। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। खीरों थाना क्षेत्र के गांव उन्नत खेड़ा निवासी वीरेंद्र लोधी (25 वर्ष) का अपने बड़े भाई की साली सीमा से प्रेम प्रसंग चल रहा था । सीमा मौरावां थाना क्षेत्र के गांव रामदास खेड़ा की रहने वाली थी। दोनों का प्रेम परवान चढ़ने लगा तो दोनों शादी करके घर बसाने के सपने देखने लगे लेकिन दोनों के परिजन इस रिश्ते के लिए तैयार नहीं हुए। इस बीच सीमा के घरवालों ने उसकी शादी कहीं दूसरी जगह कर दी। शादी बाद भी उनका प्रेम कम नहीं हुआ। दोनों चोरी छिपे मिलते रहे।

कुछ दिन पूर्व सीमा और वीरेन्द्र घर से भाग गये थे लेकिन तब उन्हें समझा बुझा कर वापस बुला लिया गया था लेकिन बीरेन्द्र व सीमा का मिलना कोई नहीं रोक सका। धीरे–धीरे समय बीतता गया। अब सीमा तीन बच्चों की मां बन चुकी थी। सोमवार की सुबह बसिगवां गांव के पास ग्रामीणों ने आम के पेड़ पर एक ही रस्सी से दोनों के शव लटकते देखे तो सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव उतरवाए और घटना की बाबत जानकारी जुटाई तो पता चला कि बीरेंद्र रविवार को अपने घर से बाइक से निकला था। उसने बाइक, अपनी बहन के घर चंद्रावल गांव में खड़ी कर दी और बिना बताए लापता हो गया। बीरेन्द्र ने सीमा को भी चन्द्रावल बुलाया था। वह भी बीरेन्द्र के पास पहुंच गई। यहीं पर दोनों एक ही रस्सी में एक साथ फांसी पर झूल गए। थाना प्रभारी इन्द्रपाल सिंह का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। घटना के संबंध में अभी कोई तहरीर नहीं मिली है।

नगर निगम प्रयागराज : मेयर आरक्षण पर टिकी निगाहें प्रत्याशियों की बढ़ी बेचैनी

प्रयागराज ब्यूरो : महापौर पद पर संभावित आरक्षण की तस्वीर साफ न होने से भाजपा समेत सभी प्रमुख दलों के प्रत्याशियों की बेचौनी बढ़ने लगी है। उम्मीद थी कि तीन–चार दिसंबर तक प्रदेश के सभी नगर निगमों के मेयर पद का आरक्षण जारी हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आरक्षण घोषित न होने की वजह से तमाम सियासी धुरंधरों ने भी चुप्पी साध ली है। प्रमुख दल के नेताओं को इसी बात का इंतजार है कि सरकार पहले सभी 17 निगमों का आरक्षण जारी करे, ताकि उसके बाद ही आगे की रणनीति बनाई जा सके। दरअसल इस बार चक्रानुक्रम में आरक्षण तय हो सकता है। इसी वजह से अटकलें लगाई जा रही थीं कि प्रयागराज नगर निगम की सीट अनुसूचित जाति महिला को दी जा सकती है, लेकिन सत्तारूढ़ दल में इसे लेकर सहमति नहीं बन पा रही है। शायद इसी वजह से शनिवार को नगर विकास मंत्री की प्रस्तावित प्रेस कांफ्रेंस स्थगित हो गई। अब इस बात की चर्चा है कि सोमवार को कैबिनेट की बैठक और गुजरात विधानसभा चुनाव का मतदान होने के बाद सरकार चुनाव के लिए आरक्षण कर सकती है। भाजपा की बात करें तो मेयर पद के सर्वाधिक प्रत्याशी इसी दल के पास हैं। अब तक 40 से ज्यादा ने इसके लिए आवेदन भी कर दिया है, लेकिन पिछले दिनों मेयर सीट एससी महिला होने की खबर से टिकट के दावेदार परेशान हैं। कुछ ने लखनऊ दरबार का चक्कर भी काटना शुरू कर दिया है। भाजपा एमएलसी निर्मला पासवान कहती हैं, मुझे नहीं लगता कि मेयर सीट एसी महिला के खाते में आएगी। क्योंकि नगर निगम में एससी की उस हिसाब से आबादी नहीं है। फिलहाल अब आरक्षण सूची का इंतजार है।

इसके बाद ही आगे कुछ कहा जा सकता है। वहीं सपा के वरिष्ठ नेता केके श्रीवास्तव का कहना है कि अगर प्रयागराज की सीट एससी महिला हो गई तो बदले समीकरण से तमाम सियासी धुरंधरों के सपनों पर पानी फिर जाएगा। सपा को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यह ऐसा दल है जिसके पास हर जाति के सुयोग्य नेता हैं। उन्होंने बताया कि ऐसी सूचना मिली है कि नगर विकास विभाग द्वारा आरक्षण की जो सूची तैयार की गई थी, उससे भाजपा को मेयर चुनाव हारने का डर था। हो सकता है कि इसी वजह अब नई आरक्षण सूची शासन स्तर से तैयार की जा रही हो। – भाजपा के पास हर जाति के मजबूत उम्मीदवार हैं। आरक्षण कोई भी हो उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार के विकास कार्यों की वजह से मेयर भाजपा का ही जीतेगा। – अवधेश चंद्र गुप्ता, उपाध्यक्ष, भाजपा काशी क्षेत्र

शिव सत्संग मण्डल के केन्द्रीय मार्गदर्शक की बैठक में पढ़ाया गया धर्म अध्यात्म एवं योग का पाठ

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : शिव सत्संग मण्डल के केन्द्रीय मार्गदर्शक मंडल की बैठक में धर्म,अध्यात्म, संस्कृति,प्रार्थना,उपासना, जप,तप, व्रत,ध्यान,भजन,सत्संग,सेवा और योग का पाठ पढ़ाया गया। शिव सत्संग मण्डल के अध्यक्ष आचार्य अशोक के सानिध्य में टोडरपुर के निकटवर्ती राजस्व ग्राम हुसेनापुर धौकल के शिव सत्संग मण्डल आश्रम में हुई केन्द्रीय मार्गदर्शक मण्डल की सभा को संबोधित करते हुए शिव सत्संग मण्डल के मंडलाध्यक्ष आचार्य अशोक ने कहा कि योग एक अखंड संस्कृति, विश्व संस्कृति है जिसे वर्तमान समय में विश्व के सभी प्रकार के योग की उदात्त भावनाओं में समरसता, समन्वय, पूर्ण उपचार और पूर्ण स्वास्थ्य स्थापित कर, योग के इस प्रमुख उद्देश्य को प्रतिष्ठित किया जाना है। तभी हम सब इस पूरे विश्व को स्वयं अपना ही स्वरूप जान पाएंगे। यही मुक्ति है। यही दिव्य जीवन की प्राप्ति है।उन्होंने कहा कि दुनिया को ध्यान की जरूरत है चाहे वह किसी भी देश या धर्म का व्यक्ति हो। ध्यान से ही व्यक्ति की मानसिक संवरचना में बदलाव हो सकता है। ध्यान के अभ्यास से जागरूकता बढ़ती है। लखीमपुर के जिलाध्यक्ष जमुना प्रसाद ने कहा कि जीवन में भौतिक उपलब्धियां ही पर्याप्त नहीं हैं। इनके साथ ही आध्यात्मिक मूल्यों की भी आवश्यकता है। ईश्वरीय विचार ही आध्यात्मिक मूल्य हैं। स्वयं की पहचान या स्वानुभव ही अध्यात्म है। इसे आत्मचिंतन भी कहते हैं।आवश्यकता है जीवन में ज्ञान को उतारने की।शुभ चिंतन और तदनुसार कर्म से बुद्धि निर्मल होगी और चित्ता शांत होगा। सद्ज्ञान का दिव्यप्रकाश, मोहजन्य अंधकार के मिटने पर ही होता बार–बार विचार करना चाहिए कि सांसारिक भोगों की सत्ता क्षणिक है, ये चिरस्थायी नहीं है। आध्यात्मिक चिंतन से ही जीवन में सुधार आता है और मानसिक उत्थान होता है। संतोष वृत्तिलाकर सहज जीवन जिया जा सकता है। वरिष्ठ सत्संगी रविलाल ने बताया कि महर्षि पतंजलि ने योग सूत्र में अष्टांग योग की व्यवस्था दी है, जो

इस प्रकार हैं– यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि। ये सभी एक–दूसरे से जुड़ने वाली कड़ियां हैं, जिसका चरम समाधि होता है।उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी में आज, बल, बुद्धि और माधुर्य जैसे उदात्त गुणों को भरने के लिए बच्चों एवं युवाओं के लिए विशेष योग शिविर चलाए जा रहे हैं। जिनमें अष्टांग योग, आसन, प्राणायाम, ध्यान एवं मुद्राएँ आदि के बारे में बताने के साथ–साथ आध्यात्मिक एवं नैतिक रूप से उन्नति के भी सूत्र बताए जाते हैं। लखनऊ के डॉक्टर संदीप चौरसिया ने सत्संग की महिमा का बखान करते हुए कहा कि सभी धर्म, धर्माचार्य, संत तथा ऋषि–मुनि आध्यात्मिक मूल्यों को सर्वोच्च महत्व देते हैं । हिन्दू धर्म के आध्यात्मिक मूल्यों का अनुक्रम है–धर्म, अर्थ, काम तथा मोक्ष । अर्थ तथा काम सांसारिक मूल्य है, जबकि धर्म तथा मोक्ष आध्यात्मिक मूल्य हैं । परन्तु धर्म का स्थान सर्वप्रथम है । लखनऊ मंडल अध्यक्ष राजेश पांडेय ने बताया कि मोक्ष, जिसका अर्थ है सभी सांसारिक इच्छाओं तथा आसक्तियों से मुक्ति, सर्वोच्च मूल्य है।सत्संग,ध्यान और भजन ही समग्र जीवन की सफलता का आधार है। इस मार्गदर्शक मण्डल की सभा का शुभारम्भ स्वामी शांतानंद ने दीप प्रज्वलित कर,सामूहिक ईश प्रार्थना से किया। व्यवस्थापक यमुना प्रसाद,शाहजहांपुर के जिलाध्यक्ष डॉक्टर कालिका प्रसाद, जिला महामंत्री रजनीश,चेतराम,स्वामी दयाल,देव सिंह,प्रेम भाई,वरिष्ठ सत्संगी मुन्नालाल,राम सनेही,भैया लाल,राम लखन, रामौतार,महेश,प्रदीप,रोहित वर्मा,रवि कुमार वर्मा आदि ने प्रश्नगत बिंदुओं पर संवाद किया। समापन पर सभी पदाधिकारियों ने संयमित जीवन शैली के साथ ध्यान योग करने का शिव संकल्प लिया।

सत्संग के बिना मानव जीवन अधूरा है –अनूप महाराज

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : ग्राम मलवा अखबेलपुर तिलमयी खेड़ा के सुखेता प्रांगण में चल रहे पैंतीस वर्ष से श्री विष्णु महायज्ञ एवं मानस सम्मेलन व सनातन धर्म के महाधिवेशन में तीन दिवसीय सेवा में असलापुर धाम से पधारें सुप्रसिद्ध कथावाचक अनूप ठाकुर जी महाराज ने कहा कि जब–जब धर्म की हानि होती है तो धर्म की रक्षा के लिए भगवान प्रकट होते हैं। अपनी लीला से सभी बाधाओं को दूर कर परमानंद प्रदान करते हैं। परमानंद की प्राप्ति के बाद मानव जन्म–मरण के चक्र से मुक्त हो जाता है। अनूप महाराज ने कहा कि व्यक्ति को जीवन में उन्नति के लिए आशावादी होना चाहिए। आशा की किरण को पूरा करने के लिए ईश्वरवादी होना जरूरी है। मानवता की राह पर चलकर व्यक्ति जीवन में अपेक्षित सफलता को आसानी से प्राप्त कर सकता है। ठाकुर जी ने कहा कि भगवान श्री राम का जीवन चरित्र ही धर्म है। भगवान राम अपने गुरु, पिता, भाई संत, अनुचर, सहचर से कैसे व्यवहार करते हैं। धर्म को समझना हो तो उनके आदर्श को अपना लें तो धर्म का पालन हो जाएगा। क्योंकि धर्म के सारे लक्षण भगवान के चरित्र में समाहित हैं। उन्होंने कहा कि राम कथा के श्रवण मात्र

से ही मानव जीवन धन्य हो जाता है तथा मनुष्य जीवन के सारे दुखों का नाश हो जाता है। उसे हर स्थिति में एक समान रहने की सीख मिलती है। उन्होंने कहा कि राम नाम तो कण–कण में व्याप्त है। मात्र कुछ ही वक्त निकालकर अगर कोई रामकथा सुन ले तो उसका जीवन सफल हो जाता है। आज हर किसी के जीवन में उतार–चढ़ाव है। ऐसे में रामकथा उन्हें सच्चाई का अहसास करवाती है। बिना सत्संग के मानव का जीवन अधूरा होता है। जीवन के सारे कष्टों का निवारण सिर्फ राम कथा से ही संभव है। इस मौके पर परिक्षित शिवकुमार सिंह, यज्ञ यजमान सुधीर सिंह, मास्टर दलगंजन सिंह, राकेश सिंह, भानुप्रताप सिंह, सत्येंद्र सिंह, राहुल सिंह, धनपति सिंह, श्याममोहन सिंह, समेत हजारों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहें!

बतख पालन से भी बना जा सकता है आत्मनिर्भर : कम जोखिम में पा सकते हैं बड़ा लाभ

गोरखपुर ब्यूरो : बतख पालन करने वालों को बहुत हीं अल्प लागत में अच्छा लाभ हो सकता है। क्योंकि बतख छह महीने में ही अंडे व मांस देने योग्य हो जाते हैं। इनके एक अंडे की कीमत बाजार में लगभग 10– 12 रुपये है। मुर्गी पालन के मुकाबले बतख पालन में कम जोखिम होता है। बतखों में मुर्गी के मुकाबले मृत्यु दर बेहद कम है। बतख एक समझदार पक्षी है, जो आवश्यकतानुसार समय पर बाहर घूम फिर कर अपने निश्चित दड़बे में बिना किसी विशेष प्रयत्न के आ सकते हैं। बतख पालन में उनके आहार, आवास आदि चीजों में बहुत कम खर्च लगता है, इसलिए इसे कोई भी अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति सुधार सकता है। बतख पालन से होने वाले लाभ उन्नत नस्ल के बतख 1 वर्ष में 300 से अधिक अंडे देते हैं, जिनका वजन 65 से 70 ग्राम होता है। मुर्गियों के अंडे सायंकाल तक एकत्रित करने होते हैं जबकि ज्यादातर बतख प्रातः नौ बजे से पूर्व ही अंडे दे देती हैं। बतख के साथ मछलीपालन में और लाभ जिस तालाब में बतखों को तैरने के लिए छोड़ा जाता है, उस में अगर मछली का पालन किया जाए तो एकसाथ दोगुना लाभ लिया जा सकता है। दरअसल बतखों की वजह से तालाब की उर्वरा शक्ति में इजाफा हो जाता है। जब बतख तालाब के पानी में तैरती हैं तो उन की बीट से मछलियों को प्रोटीनयुक्त आहार की आपूर्ति सीधे तौर पर हो जाती है जिस से मछलीपालक मछलियों के आहार के खर्च में 60 फीसदी की कमी ला सकते हैं। तालाब, झील एवं अन्य जल बहुल्य क्षेत्रों में कवक, शैवाल के साथ जल में उगने वाली घास, घोंघे, मछलियां, कीड़े इत्यादि बतखों के लिए प्राकृतिक आहार है। अतः बतख के ऊपर किया जाने वाला आहार व्यय कम हो जाता है। बतख की नस्ल अंडा उत्पादन करने के लिए कैपवेल तथा इंडियन रनर प्रमुख हैं जबकि मांस उत्पादन वाले नस्लों में एलीसवरी, पेकिंग तथा मसकोवी से उत्तम लाभ प्राप्त होता है। गोरखपुर के केंद्राध्यक्ष महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र चौकमाफी डॉ. विवेक प्रताप सिंह ने कहा कि अपने नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर किसान बतख के साथ मछली पालन करें। जिससे उनको अधिक आय प्राप्त हो सके। जंगल कौड़िया के महंत अवेद्यनाथ राजकीय महाविद्यालय आचार्य जीव विज्ञान विभाग डॉ. दिग्विजय सिंह ने कहा कि बतख के अंडे तथा मास प्रोटीन तथा अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। किसान बतख पालन कर अच्छा आय अर्जन कर सकते हैं।

करोड़ो की लागत से बनी सड़क लोगो केलिए बनी जी का जंजाल:क्या होगी कार्यवाही

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : उत्तर प्रदेश सरकार जहां आज गड्ढा मुक्त सड़क बनाने पर जोर दे रही है वहीं जिले में बीजेपी सरकार में मौजूदा मंत्री गिरिश चंद यादव एमएलसी बृजेश सिंह व अन्य कई बड़े नेता के होने के बावजूद अधिकारियों की एक बड़ी खामियाजा देखने को मिल रहा है।जनपद के लाइन बाजार रेलवे क्रॉसिंग से कजगाव तक पैकेज संख्या यूपी 37 105 लंबाई 7.2 किलोमीटर बीटीसी सड़क 6. 715 किलोमीटर सीमेंट कंक्रीट का निर्माण में. शिवांग एसोसिएट्स के माध्यम से कराया गया था। इसका अनुसरण तिथि 21,5,22 थी लेकिन 7 माह में सड़क नाले में बदल गयी जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।विदित हो इस सड़क से लगभग 50000 लोग रोज शहर आते जाते है जिसमे सबसे बडी बात यह कि जब स्कूल के बच्चे स्कूल जाते है तो कई के कपड़े खराब हो जाते है। यह रोड़ लाइन बाजार से सितमसराय से होते हुए मड़ियाहूं तक के लोग आवा गमन करते है।आते जाते लोग गंदे नाले के पानी और पटरी के किचड़ में फस जाते है यदि दोनों तरफ से गाड़ी आ गयी तो

घण्टो तक जाम लग जाता है कुछ दूर तो सड़क के किनारे बसे लोग अपने घर के सामने मिट्टी डाल कर पटरी सड़क से ऊँचा कर दिए है।जब कि सड़क के साथ साथ कंक्रीट नाली का निमार्ण कार्य कराया गया लेकिन नाली ऐसी बनी की उसमे पानी नही बह पा रहा है। जनता के सब्र का बांध टूट गया और अपने नारकीय जीवन से निजात पाने के लिए कजगाव माधोपट्टी गोधना नेवादा बन्सगोपाल भुवलपट्टी की जनता ने प्रशासन को इस बारे अवगत कराया है अब देखना ये होगा कि जिला प्रसासन इस पर कब तक सुध लेता है।क्या मंत्री विधायक इसको सज्ञान लेते हैं या नही।

साइकिल सवार अधेड़ को तेज रफ्तार बाइक ने मारी टक्कर : भेजा गया जिला अस्पताल : हालत गंभीर

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : आजमगढ़ मार्ग पर जौनपुर शहर से गौराबादशाहपुर की तरफ जा रहे साइकिल सवार को बनरहिया बाग के पास विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार अज्ञात बाइक सवार ने टक्कर मार दिया। घटना से साइकिल सवार घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल व्यक्ति को उठाकर उपचार हेतु जिला अस्पताल भिजवाया। मौके से अज्ञात बाइक सवार फरार होने में सफल रहा। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के मैरा दखान गांव निवासी सुभाष चंद्र गौड़ 55 अपनी साइकिल से शनिवार देर शाम को जौनपुर शहर से गौराबादशाहपुर के तरफ आ रहा था। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के बनरहिया बाग बाजार के पास शनिवार की देर शाम लगभग नौ बजे विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने सुभाष को टक्कर मारते हुए फरार हो गया। घटना से साइकिल सवार सुभाष गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उपचार हेतु 108 एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया गया। जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। सुभाष का सिर फट गया है तथा उसके मुह व कान से रक्त स्त्राव हो रहा था। घटना की जानकारी होने पर घायल के परिजन भी जिला अस्पताल पहुच गए थे। इस दुर्घटना के संदर्भ में पूछे जाने पर एसओ गौराबादशाहपुर विक्रम लक्ष्मण सिंह ने बताया कि घटना के बाद मौके पर पुलिस पहुची थी। अभी घायल व्यक्ति के तरफ से कोई तहरीर नही मिली है। तहरीर मिलने पर उक्त अज्ञात बाइक सवार के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

संवेदनशील कूड़ा संग्रहण स्थल के स्थान पर उसको सुंदर पार्क में परिवर्तित किए स्थल का जिलाधिकारी द्वारा फीता कटकर किया गया शुभारंभ

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : आजादी के अमृत महोत्सव 75 के थीम पर प्रतिबद्ध 75 जनपद 75 घंटे 750 निकाय अभियान के समापन कार्यक्रम अंतर्गत नगर पालिका परिषद जौनपुर द्वारा विलोपित किए गए GVP(संवेदनशील कूड़ा संग्रहण स्थल) के स्थान पर उसको सुंदर पार्क में परिवर्तित किए स्थल का जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा द्वारा फीता कटकर शुभारंभ किया गया। अधिशासी अधिकारी सन्तोष कुमार मिश्र के निर्देशन में पार्क में पौधे, बेंच, तथा सेल्फी प्वाइंट बनाया गया। जिलाधिकारी महोदय ने बच्चो से भी स्वच्छता पर बातचीत की, कलाकारों द्वारा स्वच्छता पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सभी आम जनमानस को स्वच्छता बनाए रखने में नगर पालिक को सहयोग देने की अपील के साथ साथ नगर पालिका द्वारा इस अच्छे कार्य के लिए सराहना भी किये। अधिशासी अधिकारी महोदय द्वारा लोगो को रोड व गलियों में कूड़ा न डालने, कचरा नगर पालिक द्वारा स्थापित कूड़ेदान में डालने की अपील के साथ साथ निजी प्लॉट

वालो को कचरा इकट्ठा होने, घर का ईंट पत्थर का मलबा रोड पर पाए जाने पर कड़ी करवाई किए जाने की बात कही। साथ ही नगर को स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 में देश में अच्छे रैंक प्राप्त करने हेतु लोगो से फीडबैक दर्ज कराने की बात कही। इस अवसर पर डी०पी०एम० स्वच्छ भारत मिशन जौनपुर अमित यादव, अवर अभियंता दीपक शाह नगर पालिका, डी०सी० खुशबू यादव, जितेन्द्र कुमार मिश्र, मंडल अध्यक्ष भाजपा, प्रभात कुमार सिंह वरिष्ठ लिपिक, अजय प्रताप सिंह, सिंचाई विभाग, शैलेंद्र सिंह, वरिष्ठ लिपिक मीरा तिवारी, मधुबाला सिंह, सावित्री सिंह, कुसुम सिंह, शिवानी सिंह, अन्नू सिंह, मंजू श्रीवास्तव, लल्लन तिवारी इत्यादि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

नाबालिक के साथ दुष्कर्म और अपहरण के मामले में वांछित युवक गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : गौराबादशाहपुर जौनपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली नाबालिक युवती के साथ दुष्कर्म और उसके अपहरण के मामले में वांछित चल रहे आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर चालान भेजा थाना अध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह के अनुसार नाबालिक से दुष्कर्म और अपहरण का आरोपी वांछित कई दिनों से फरार चल रहा था मुखबिर की सूचना पर उक्त युवक को बिथार तिराहे से गिरफ्तार किया गया पकड़े गए युवक ने अपना नाम बिकास राजभर बताया है।

शादीशुदा पुत्री को परिवार की परिभाषा से अलग नहीं किया जा सकता : हाईकोर्ट

प्रयागराज ब्यूरो : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने परिवार की परिभाषा में शादीशुदा पुत्री को शामिल नहीं करने संबंधी मेरठ के मुख्य चिकित्साधिकारी के आदेश को निरस्त कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि विवाहित पुत्री भी परिवार की परिभाषा में आती है। इस आधार पर मृतक आश्रित कोटे के तहत पिता की जगह पर विवाहित पुत्री को नौकरी देने का आदेश जारी किया गया है। हाईकोर्ट ने यह आदेश मेरठ स्थित 119–जे ब्लॉक कॉलोनी मुहल्ला खजुरी, दरवाजा परीक्षितगढ़ की अरुणा की याचिका को सुनकर दिया है। अरुणा ने चीफ मेडिकल ऑफिसर के 11 दिसंबर 2018 के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इसमें सीएमओ ने मृतक आश्रित कोटे में पिता की जगह नौकरी के अरुणा केआवेदन को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि वह शादीशुदा है और परिवार की परिभाषा में नहीं आती है। इस मामले में दाखिल याचिका अरुणा बनाम स्टेट ऑफ यूपी में कहा गया कि याची के पिता स्वीपर कम चौकीदार के पद पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परीक्षितगढ़ में तैनात थे। उनकी आकस्मिक मृत्यु चार जुलाई 2018 को हो गई थी। जिसके बाद उनकी पुत्री ने पूरे परिवार

की तरफ से अनापत्ति प्रस्तुत करते हुए मृतक आश्रित कोटे के तहत नौकरी के लिए मुख्य चिकित्साधिकारी मेरठ के समक्ष आदेवन किया था। न्यायमूर्ति विक्रम डी चौहान के समक्ष इस मामले में याची अरुणा की ओर से अधिवक्ता विवेक कुमार श्रीवास्तव ने पक्ष रखा। उनका कहना था कि मुख्य चिकित्साधिकारी की ओर से पारित आदेश संविधान के अनुच्छेद 14 एवं 15 का उल्लंघन है। सिर्फ इस आधार पर कि आवेदक शादीशुदा है, उसे उसके पिता के स्थान पर नौकरी देने से मना नहीं किया जा सकता। इस पर कोर्ट ने सीमओ के आदेश को समाप्त करते हुए अरुणा को उसके पिता श्यामलाल की जगह निर्धारित कानून के अनुसार नौकरी प्रदान करने का आदेश पारित किया।

अनियंत्रित ट्रक पेड़ से टकराया : चालक की हुई मौके पर मौत

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : नेवढ़िया थाना क्षेत्र के जमालापुर बाबतपुर मार्ग पर हथेरा गांव के पास ट्रक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराया ट्रक पेड़ से टकराने के बाद केविन टूटकर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। टक्कर इतना तेज था कि आसपास के लोग की जुट गए । सूचना पर पहुंची पुलिस ने केवीन में फंसे चालक को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। चालक के शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया। मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के शिवपुर गांव निवासी 35 वर्षीय प्रमोद कुमार यादव पुत्र रमेश चंद्र यादव शनिवार की रात ट्रक में केमिकल लेकर मुंबई से वाराणसी की तरफ जा रहा था। जमालापुर बाबतपुर मार्ग पर हथेरा गांव के पास ट्रक अनियंत्रित होकर पेड़ में टकरा गया जिससे केबिन क्षतिग्रस्त होने पर चालक की मौके पर ही मौत हो गई हादसे के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ लग गई । सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से चालक के शव को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। प्रभारी निरीक्षक नेवढ़िया विश्वनाथ प्रताप सिंह ने बताया कि ट्रक के नंबर से ट्रेस कर मालिक को व मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

रामनगर में सभी सामुदायिक शौचालय स्वच्छ भारत मिशन को दिखा रहे ठेंगा

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : स्थानीय विकास खण्ड के ग्राम सभाओ मे स्वच्छ भारत मिशन के तहत करोड़ो की लागत से बने टू सीटर और 4 सीटर सामुदायिक शौचालय अधिकांश अपूर्ण और बंद पड़े है। सरकार की मंशा पर पानी फिर रहा है। कही बोरिंग नही हुआ है तो कही दरबाजा नही लगा है। रामनगर मे 98 सामुदायिक शौचालय बने है। जबकि शेखपुर गाँव का विवादित है। जिसमे चौदह गाँव में 4 सीटर है। बाकी गाँवो में दो सीटर है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत सरकार घर–घर शौचालय बनवाने के साथ साथ गांव के चौराहे तिराहे पर सामुदायिक शौचालय बना ताकि सड़क से आते जाते यात्री भी उसका जरुरत पड़ने पर उपयोग कर सके 4 सीटर साढ़े पांच लाख तो तो 2 सीटर ढाई लाख की लागत से बने है। सामुदायिक शौचालयो का देख रेख 98 स्वयं सहायता समूह कर रही है। प्रत्येक समूह को साफ सफाई के लिए 9 हजार दिया जा रहा है।

फांसी लगाकर विवाहिता ने की आत्महत्या

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : कोतवाली क्षेत्र के मुरादपुर कोटिला गांव में शनिवार की देरशाम एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाई में जुटी है। गांव निवासी मोहम्मद आरिफ बसिलसिला शहर मुंबई में रह कर परिवार का भरणपोषण करता है! परिजनों ने उसे जरिये मोबाइल सूचना दिया कि उसकी बीबी ने फांसी के फन्दे पर लटक कर जान दे दिया! सूचना पाते ही वह आनन फानन में मुंबई से घर आ गया! पुलिस को उसने सूचना दिया कि 24 वर्षीया पत्नी तमन्ना सीमेंटेड टिन शेड के घर में लगे बांस से दुपट्टा के सहारे फांसी पर झूलकर खुदकुशी कर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायत नामा के बाद पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया! विवाहिता को पांच वर्ष का लड़का अल्तमस का रोते रोते बुरा हाल है! इस बाबत पूंछे जाने पर प्रभारी निरीक्षक योगेंद्र सिंह ने बताया कि अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर कार्यवाई की जाएगी।

जर्जर प्राथमिक विद्यालय भवन हुआ खतरनाक

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : क्षेत्र में स्थित प्राथमिक विद्यालय बछुआर व प्राथमिक विद्यालय गोनौली का भवन जर्जर हो गया है। यह कभी भी भयावह हादसे का कारण बन सकता है। प्रशासन का कई बार ध्यान आकृष्ट कराया गया, इसके बाद अभी तक कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। प्राथमिक विद्यालय बछुआर का भवन का निर्माण 1942 में हुआ। इसमें गांव के ही नहीं बल्कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे भी पढ़ने आते थे। धीरे–धीरे भौतिक संसाधन बढ़े और गांव–गांव स्कूलों का निर्माण हुआ, इससे विद्यालय से छात्रों की संख्या घट गई। वहीं देखरेख के अभाव में विद्यालय का यह भवन पूरी तरह से खंडहर में तब्दील हो चुका है, जो कभी भी हादसे का सबब बन सकता है। वैसे तो बच्चों को बैठने के लिए नए भवन का निर्माण करीब दो दशक पूर्व हो चुका है और बच्चे उस नए भवन में शिक्षा भी ग्रहण कर रहे हैं। इसके बावजूद अभिभावक इस वजह से दहशतजदा हैं कि अधिकांश बच्चे भोजनावकाश के समय इसी जर्जर भवन में खेलने भी जा सकते है और कहीं खेलते समय ही यह इमारत ढह गई तो बच्चों को हादसे का शिकार बनना पड़ेगा । इससे बच्चों के अध्ययन में दिक्कत हो रही है। निष्प्रयोज्य घोषित भवनों को ढहाने के लिए विभाग सुध नहीं ले रहा है। इससे समस्या और ज्यादा गंभीर और खतरनाक हो गई है। अधिकारियों को जानकारी प्राथमिक विद्यालय बछुआर के प्रभारी प्रधानाध्यापक अरविंद यादव व प्राथमिक विद्यालय गोनौली के प्रधानाध्यापक राजेश यादव ने कहा कि संबंधित विभाग के अधिकारियों को जर्जर भवन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी जा चुकी है। स्कूल में पुराना भवन भी पूरी तरह जर्जर होकर खंडहर में परिवर्तित हो चुका है। जर्जर भवनों को तुरंत गिराएं बच्चों के हित में जर्जर भवन को गिरा देना चाहिए। इसमें संबंधित अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बताया कि समय रहते जिम्मेदार लोगों ने जर्जर भवन नही हटवाया तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। कोशिश रहती है कि बच्चे पुरानी बिल्डिंग की तरफ न जाए।

कमरे का ताला तोड़कर कमरे में रखे 15 लाख रुपये चोरी

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : अज्ञात चोरों ने शादी में से 15 लाख रुपये के गहने पर घात किया था आप बता दें कि जफराबाद थाना से मात्र 100 कदम की दूरी पर पुष्पांजलि मैरिज लॉन में देर रात शादी में व्यस्त थे तभी अज्ञात चोरो ने कमरे का ताला तोड़कर कमरे में रखे 15 लाख रुपये के गहने लेकर फरार हो गए। जिसका सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गया है। बता दे कि जफराबाद के अहमदपुर के निवासी विनोद सिंह के पुत्री की शादी थी। परिवार वाले शादी में व्यस्त थे। 3 से 4 सँख्या में लोग मैरिज लान के अंदर जा कर दुल्हन के कमरे में रखे गहनों से भरा बैग उठा ले गए। मौके पर जफराबाद चौकी इंचार्ज ने पहुँच कर छानबीन कर वापस चले गए।

पराली जलाने से बाज नहीं आ रहे हैं किसान

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : केराकत तहसील मुफ्तीगंज क्षेत्र के ग्राम सभा मुर्की, सरकी, पेसारा गांव में पराली जलाने से बाज नहीं आ रहे है किसान, बता दें पराली जलाने से प्रदूषण का स्तर बेहद खराब हो जाता है जिसे मद्देनजर रखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार व जिलाधिकारी का सख्त आदेश रहा कि किसान पराली न जलाए हालांकि इस बाबत उपजिलाधिकारी केराकत व तहसीलदार अमित त्रिपाठी ने भी कड़ा रुख अख्तियार करते हुए पराली न जलाने का सख्त निर्देश देते हुए जिस गाँव में पराली जलाई जाएगी उसकी जिम्मेदारी ग्राम प्रधान की तय करते हुए कहा था कि पराली जलाने पर जेल या जुर्माना निश्चित तौर पर लगाया जाएगा लेकिन इस आदेश को कुछ किसान दरकिनार करते हुए पराली जलाने का काम कर रहे हैं जिससे वातावरण दूषित हो रहा है।

संगत पंगत ने मनाया भारत के प्रथम राष्ट्रपति जी जयंती

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : संगत पंगत संगठन जौनपुर द्वारा डॉ राजेन्द्र प्रसाद भारत के प्रथम राष्ट्रपति एवं महान भारतीय स्वतंत्रता सेनानी की जयंती समारोह मंगलम लान मियांपुर में धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव हैप्पी भाजपा नेता ने किया संचालन महामंत्री सुलभ श्रीवास्तव भाजपा नेता ने किया। सर्वप्रथम सभी लोगो ने डॉ राजेंद्र प्रसाद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। संगत पंगत के प्रदेश सहसंयोजक राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया एडवोकेट ने कहा कि डॉ राजेंद्र प्रसाद जी भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से थे और उन्होंने देश आजादी व भारतीय राजनीति में प्रमुख भूमिका निभाई व देश के प्रथम राष्ट्रपति बने । संरक्षक बजरंग प्रसाद ने कहा कि उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया था। कायस्थ कल्याण समिति के अध्यक्ष डॉ अशोक अस्थाना ने कहा कि राष्ट्रपति होने के अतिरिक्त उन्होंने भारत के पहले मंत्रिमंडल में 1946 एवं 1947 में कृषि और खाद्यमंत्री का दायित्व भी निभाया था। कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ के पूर्व अध्यक्ष शिव मोहन श्रीवास्तव नबाब ने कहा कि सम्मान से उन्हें प्रायः 'राजेन्द्र बाबू' कहकर पुकारा जाता है। राजेन्द्र बाबू का जन्म 3 दिसम्बर 1884 को बिहार के तत्कालीन सारण जिले (अब सीवान) के जीरादेई नामक गाँव में हुआ था। संरक्षक राकेश श्रीवास्तव पूर्व प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि राजेन्द्र प्रसाद के पूर्वज मूलरूप से कुआँगाँव, अमोढ़ा (उत्तर प्रदेश) के निवासी थे। यह एक कायस्थ परिवार था। दीवानी अधिवक्ता संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरुण कुमार सिन्हा ने कहा कि पाँच वर्ष की उम्र में ही राजेन्द्र बाबू ने एक मौलवी साहब से फारसी में शिक्षा शुरू किया। उसके बाद वे अपनी प्रारंभिक शिक्षा के लिए छपरा के जिला स्कूल गए। जिलाध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव हैप्पी ने कहा कि राजेन्द्र बाबू का विवाह उस समय की परिपाटी के अनुसार बाल्यकाल में ही, लगभग 13 वर्ष की उम्र में, राजवंशी देवी से हो गया। विवाह के बाद भी उन्होंने अपना पढ़ाई जारी रखा। संरक्षक संजय श्रीवास्तव ए डी जी सी क्रिमिनल ने कहा कि 18 वर्ष की उम्र में उन्होंने कोलकाता विश्वविद्यालय की प्रवेश

परीक्षा दी। उस प्रवेश परीक्षा में उन्हें प्रथम स्थान प्राप्त हुआ था। कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ के महामंत्री राजीव श्रीवास्तव राजू ने कहा कि सन् 1902 में उन्होंने कोलकाता के प्रसिद्ध प्रेसिडेंसी कॉलेज में दाखिला लिया। उनकी प्रतिभा ने गोपाल कृष्ण गोखले तथा बिहार–विभूति अनुग्रह नारायण सिन्हा जैसे विद्वानों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। संरक्षक ग्रिजेश श्रीवास्तव ने कहा कि 1915 में उन्होंने स्वर्ण पद के साथ विधि परास्नातक (एलएलएम) की परीक्षा पास की और बाद में लॉ के क्षेत्र में ही उन्होंने डॉक्ट्रेट की उपाधि भी हासिल की। संगत पंगत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक वरिष्ठ पत्रकार ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में उनका पदार्पण वकील के रूप में अपने कैरियर की शुरुआत किये राजेन्द्र बाबू महात्मा गाँधी की निष्ठा, समर्पण एवं साहस से बहुत प्रभावित हुए और 1928 में उन्होंने कोलकाता विश्वविद्यालय के सीनेटर का पदत्याग कर दिया। वरिष्ठ अधिवक्ता वीरेन्द्र सिन्हा ने कहा कि गाँधीजी ने जब विदेशी संस्थाओं के बहिष्कार की अपील की थी राजेन्द्र बाबू ने अगुवाई किया था। महिला जिलाध्यक्ष डॉ प्रतिमा श्रीवास्तव ने कहा कि राजेंद्र बाबू तो अपने पुत्र मृत्युंजय प्रसाद, जो एक अत्यंत मेधावी छात्र थे, उन्हें कोलकाता विश्वविद्यालय से हटाकर बिहार विद्यापीठ में दाखिल करवाया था। उन्होंने 'सर्चलाईट' और 'देश' जैसी पत्रिकाओं में इस विषय पर बहुत से लेख लिखे थे । संरक्षक दयाल सरन श्रीवास्तव ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के समय महत्वपूर्ण योगदान रहा। उक्त अवसर पर कर्मचारी नेता विकास भवन राजीव कुमार श्रीवास्तव रोशन,कोषाध्यक्ष शरद श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष अजय वर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत पंकज श्रीवास्तव ,भाजपा नेता राजेश श्रीवास्तव मोदी, प्रभात कुमार ,अमर श्रीवास्तव,आर पी श्रीवास्तव,डॉ संजय श्रीवास्तव सुलभ श्रीवास्तव संदीप श्रीवास्तव पत्रकार अमूल्य श्रीवास्तव ललित श्रीवास्तव अनुपम श्रीवास्तव शिवा प्रसाद अजय वर्मा, बृजेश सिन्हा एडवोकेट ग्रिजेश श्रीवास्तव अनीस श्रीवास्तव श्रीयन्स श्रीवास्तव दीपक श्रीवास्तव ,अंकित श्रीवास्तव पत्रकार,शशि श्रीवास्तव प्रदीप श्रीवास्तव अजय श्रीवास्तव आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

विद्युत तार की चपेट में आने से बारात मे आए फोटोग्राफर की मौत : आनन फानन मे हुई शादी

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : बेटी की शादी की खुशियाँ पल भर मे गम मे तब्दील हो गई।आनन फानन मे शादी की रशमों को निभाया गया फिर रात मे ही दूल्हन की विदाई कर दी गई। खेमपुर गांव में बीती रात करीब 10 बजे डीजे के ऊपर खड़े होकर वीडियोग्राफी करने के दौरान फोटोग्राफर का शरीर हाई वोल्टेज विद्युत तार में छूने से वह धू धू कर जल गया जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई।जबकि डीजे मे बैठे तीन अन्य युवक गम्भीर रूप से घायल हो गये। सराय रैजोत घूरीपुर थाना मऊआइमा,जनपद प्रयागराज से दीपक मौर्य की बारात थाना क्षेत्र के खेमपुर गांव निवासी राजकिशोर मौर्य के यहां आई हुई थी ।बारातियों का जमकर स्वागत सत्कार किया गया।द्वारचार के लिए बाराती डीजे पर डांस करते हुए दूल्हन के घर की ओर निकले।बारात आग बढ़ी तो बारात की तरफ से आए फोटो ग्राफर राजेंद्र उर्फ सागर पटेल(28) डीजे के ऊपर चढ़कर बारात की भव्यता की वीडियोग्राफी करने लगा।उपर से 11000/हाई वोल्टेज विद्युत तार गया हुआ था जो उसके गले में छू गया जिसकी वजह से वह ध ू धू कर जलने लगा ।डीजे मे बैठे तीन अन्य युवक बुरी तरह झुलस गये।फोटो ग्राफर की तत्काल मौत हो गई।बारतियो और घरातियों मे अफरातफरी व भगदड़ मच गई।हादसे के दूल्हे के परिजनों को छोड़कर सारे के सारे बाराती अपने अपने वाहनों से भाग गये।डीजे सवार घायल तीनो युवकों को भी उनके परिचित ईलाज के लिए फौरन प्रयागराज लेकर चले गये।हादसे की खबर सुनकर दूल्हे का मंडप मे बैठकर इंतजार कर रही दूल्हन भी बेहोश हो गई।गांव के लोगो ने पहल की फिर किसी तरह बारात पहुंची आनन फानन मे शादी के रस्मों रिवाज को निभाते हुए दूल्हन को विदा किया गया।सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष रमेश यादव मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कैंसर की दवा बेचने वाले व्यापारियों की होगी जांच : दवाओं के लिए जाएंगे नमूने

गोरखपुर ब्यूरो : दवाओं की थोक मंडी भालोटिया मार्केट में कैंसर की दवाओं को बेचने वाले व्यापारियों की जांच की जाएगी। दवाओं नमूने भी लिए जाएंगे। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने दवा कंपनियों से ऐसी व्यापारियों की सूची मांगी है। सूत्रों का कहना है कि आगरा से आई कैंसर की दवाओं से कैंसर की दवाओं का मिलान भी किया जाएगा। दवाएं किन–किन जिलों को सप्लाई की गई हैं, इसकी भी जानकारी ली जाएगी। इस संबंध में विभाग ने जांच भी शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि आगरा में कैंसर और विटामिन की नकली दवाएं काफी बड़ी मात्रा में पकड़ी गई हैं। आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने दवाओं की खेप लखनऊ भेजी थी, जहां से भालोटिया मार्केट सहित पूर्वांचल के कई जिलों में दवाएं भेजी गईं हैं। इस जानकारी के बाद एफएसडीए ने अपनी जांच शुरू कर दी है। टीम भारत–नेपाल सीमा पर स्थित सिद्धार्थनगर जिले में भी गई थी। कुछ दवा की दुकानों से सैंपल लिए हैं। इसी क्रम में जानकारी मिली है कि कैंसर की नकली दवाएं भालोटिया मार्केट से सिद्धार्थनगर के दवा व्यापारियों ने ली थी। इसके बाद स्थानीय स्तर पर ड्रग विभाग ने कैंसर की दवाएं बनाने वाली कंपनियों से यह जानकारी मांगी है कि किन–किन दवा व्यापारियों के यहां हिमाचल के बद्दी से दवाएं आई हैं और कौन–कौन थोक दुकानदार है। यही नहीं, विभाग ने आगरा और लखनऊ से भी संपर्क करते हुए सूची मांगी है, जिससे पता चल सके कि किन व्यापारियों ने हाल में कैंसर की दवाएं मंगाई हैं। सात व्यापारी करते हैं कैंसर की दवाओं की बिक्री भालोटिया मार्केट में कैंसर की दवाओं की बिक्री पांच

से सात व्यापारी करते हैं। इन्हीं व्यापारियों के यहां से शहर के कैंसर अस्पतालों में दवाएं जाती हैं। यही कारण है कि जिले में निगरानी के विशेष निर्देश शासन स्तर से मिले हैं। कई व्यापारियों के यहां नकली और अवैध दवाएं मिल भी चुकी हैं। हाल ही में दो करोड़ रुपये की फेंसिडिल सीरप बरामद हुई थी। मामले में पुलिस भालोटिया के दवा व्यापारी गुप्ता बंधु के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चार लोगों को गिरफ्तार भी कर चुकी है। जांच चल रही है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ड्रग इंस्पेक्टर जय सिंह ने कहा कि कैंसर की दवाओं की बिक्री करने वाले व्यापारियों की सूची मांगी गई है। भालोटिया मार्केट में कैंसर की दवाओं का काम कुछ व्यापारी करते हैं। उनके यहां भी जांच की जाएगी। दवाओं के सैंपल भी लिए जाएंगे। मामले में विभाग की पूरी नजर है।

नवागत एसएसपी के सख्त कार्यप्रणाली से पुलिस महकमे में मचा हड़कंप

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) जिले को आखिरकार तेज तर्रार एसएसपी मुनिराज मिल ही गये।उन्होंने अपने अधीनस्थ पुलिस कर्मियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि वे सिर्फ परिणाम में विश्वास रखते हैं न कि हीलाहवाली में।जो भी पुलिस कर्मी लापरवाही करते हुये पाया गया तो जगह सिर्फ पुलिस लाइन ही होगी।जिसके चलते चौकी प्रभारी व थाना प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष तो दूर सभी सीओ के माथे पर भी चिंता की लकीरें भी साफ साफ दिखाई दे रही है।वही इनके कार्यप्रणाली का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जिले में चार्ज लेने के बाद एसएसपी मुनिराज शाम को शहर के भ्रमण पर पैदल निकल पड़े।उनके इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य शहर की कानून व्यवस्था,यातायात व्यवस्था का जायजा लेना था।इस मौके पर उनके अलावा एसपी सिटी मधुबन सिंह,सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह,कोतवाल शमशेर सिंह के साथ साथ ट्रैफिक पुलिस भी साथ में मे भ्रमणशील दिखाई दे रहे थे।वही इसके पहले रविवार को दिन में तीन घंटे एसएसपी ने पुलिस मातहतों के साथ बैठक किया।इस दौरान उनके सख्त तेवर देखते हुये पुलिस मातहतों के पसीने छूटने लगे।एसएसपी मुनिराज ने इस बैठक में सभी कोतवाल और सभी सीओ को नसीहत देते हुए तीन दिन की कार्य शैली एवं पुलिस छवि सुधारने का टास्क दिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमे बहाना नहीं बल्कि परिणाम चाहिये।इस मौके पर एसएसपी ने प्रभारी निरीक्षको से सारी भौगोलिक हकीकत जानकर बेहतर पुलिसिंग और जनता के संवाद स्थापित करने के लिये सख्त निर्देश दिये। इस मौके पर उन्होंने अपने अधीनस्थ पुलिस कर्मियों को सख्त चेतावनी देते

हुए कहा कि अगर पुलिस कर्मी इसके विपरीत कोई करता है तो उसे लाइन का दिखाएंगे।तीन घंटे तक चले बैठक में कोतवाल व एसओ के अलावा सीओ व एसपी सिटी व एसपी ग्रामीण के भी हाथ पांव फूल गये। कुल मिलाकर नवागत कप्तान के जनपद में पहुंचते ही जिले की पुलिस महकमा चुस्त दुरुस्त दिखाई दे रही थी।इसके बाद अधिकारियों से एसएसपी की मुलाकात के अलावा देर रात तक बस स्टैण्ड होटल और धर्मशालाओं में पुलिस का चेकिंग अभियान भी चलाया गया।नवागत एसएसपी मुनिराज जी की सख्त कार्यप्रणाली ने विवेचनाओ में लीपापोती कर अधिकारियों को गुमराह करने वाले पुलिस कर्मियों की नींद उडाध दी।वही चौकी प्रभारी और थानेदारों से लेकर सर्किल के अफसर सख्त कप्तान कहे जाने वाले मुनिराज जी से कुर्सी बचे इसके लिये अभी से जुगाड़ लगाने में जुटे हैं।

सम्पूर्ण मानव जाति का मार्गदर्शन देती है भगवत गीता– महंत नृत्यगोपाल दास

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अध्यक्ष मणिराम दास छावनी के महंत नृत्यगोपाल दास महाराज ने आज यहां वालमीकि रामायण भवन मे आयोजित गीता जयंती के अवसर पर कहा गीता सिर्फ हिंदू धर्म का मार्गदर्शन ही नहीं करती है, बल्कि सम्पूर्ण मानव जाति को ज्ञान देती है।गीता भारतीय संस्कृति की आधारशिला है। हिन्दू शास्त्रों में गीता का सर्वप्रथम स्थान है। वाल्यमीक रामायण भवन मे हजारो की संख्या मे उपस्थित वैदिक विद्वान,वटुको और संत धर्माचार्यो ने श्रीमद् भगवद्गीता का सस्वर पाठ किया।अपने आशिर्वाद में तीर्थ क्षेत्र अध्यक्ष ने कहा भगवान श्री कृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया ज्ञान गीता में लिखा गया, ये मनुष्य जीवन के लिए एक महत्वपूर्ण ग्रंथ है। गीता का आरंभ धर्म से तथा अंत कर्म से होता है। उन्हो ने कहा गीता मनुष्य को प्रेरणा देती है। मनुष्य का कर्तव्य क्या है ? इसी का बोध करवाना गीता का लक्ष्य है। उत्तराधिकारी महंत कमलनयन ने कहा महाभारत युग में जो कुछ घटित होता है, उसके आधार पर कहा जा सकता है कि तत्कालीन समाज में मानवीय व्यवहार के अधिकांश मानक ध्वस्त हो चले थे। पाण्डवों के साथ अन्याय हुआ, यह बात जानते तो बहुत लोग थे ,पर उनके समर्थन में आने का साहस मुट्ठी भर लोगो ने किया और यही से असत्य,कदाचार, पापाचार अनाचार को जड़ मूल से समाप्त करने का पांचजन्य फूंककर श्रीमदभगवदगीता का जन्म हुआ । कथावाचक पं राधेश्याम शास्त्री ने कहा भगवान श्रीकृष्ण ने मात्र 45 मिनट में मोहग्रस्त अर्जुन मे 701 श्लोकों द्वारा लोकहित में ज्ञान का संचार कर समाज को भयमुक्त करने वाला जो मंत्र दिया उस महामंत्र रूपी गीता में कहा ''एतातन्न हन्तुमिच्छामि ध्नतो+पि मधुसूदन /अपि त्रैलोक्य राज्यस्य हेतोःकिन्तु महीकृते।मोहग्रस्त अर्जुन को योगेश्वर कृष्ण समझाते हैं ''अर्जुन तुम कहते हो युद्ध से हानि होगी, कुल –धर्म, जाति –धर्म सब नष्ट होगा जायेगा । तुम कहतें हो मै भीख मांगकर जीवन–यापन कर सकता हूँ, पर तुम यह क्यों नही सोचते कि ''लोक –हित का क्षेत्र कुल और जाति–हित से बड़ा होता है ।तुम यदि कुल –हित और जाति –हित के मोह युद्ध से विरत होने का निर्णय लेते हो तो इससे लोक –हित की अपूर्णिय क्षति होगी । तुम तो अन्याय से प्रताड़ित होगे ही तुम्हारे साथ सम्पूर्ण लोक भी वर्तमान अन्याय व्वस्था मे पिसने लगेगा।क्या लोक को अन्याय मुक्त करना तुम्हारा धर्म नहीं है?उन्हो ने कहा आज का युग परमाणु युद्ध की विभीषिका से भयभीत है । ऐसे में गीता का उपदेश ही हमारा मार्गदर्शन कर सकता है ।आज का मनुष्य प्रगतिशील होने पर भी किंकर्त्तव्य– विमूढ़ है । अतः वह गीता से मार्गदर्शन प्राप्त कर अपने जीवन को सुखमय और आनन्दमय बना सकता है । विहिप नेता शरद शर्मा ने कहा भगवान श्रीकृष्ण की वाणी से प्रकट हुई श्रीमदभगवदगीता का हम पठन पाठन करे तो हमारा जीवन लोकहितकारी राष्ट्र को गौरवशाली बनाने मे सहोगी बनजायेगा। लेकिन दुर्भाग्य है इस राष्ट्र का कि जिस धरती पर श्रीमद्भागवत गीता का जन्म हुआ वहीं इस महाग्रंथ को सर्वसुलभ और लोक कल्याणकारी नहीं बनाया जा रहा है। उन्हो ने स्मरण कराते हुए कहा गीता जयंती का यह दिन इस ''अयोध या के लिए अति महत्वपूर्ण है। छः दिसंबर 1992 को हिन्दी तिथिनुसार ''गीता जयंती'' थी।जिस दिन गुलामी का प्रतीक ढांचा समाप्त हुआ। कार्यक्रम के दौरान वैदिक वटुकों, विद्वानों तथा संतधर्माचार्यो को अंगवस्त्र दक्षिणा देकर सम्मानित किया । इस अवसर पर श्रीमणिराम दास छावनी ट्रस्ट के सचिव कृपालु राम दास '' पंजाबी बाबा '' राम नाम बैंक के मैनेजर पुनीत राम दास,संत जानकी दास, रामरक्षा दास, आनन्दशास्त्री संत बलराम दास,संत राम दास, देवेंद्रपति त्रिपाठी,डॉ रामतेज पांडेय,डॉ तालुकदार ,पंडित अनिरुद्ध शुक्ल, पंडित राम शंकर द्विवेदी, राजेंद्र पांडे, पं विश्वनायक,प्रधानाचार्य इंद्रेव मिश्रा, नारद भट्टाराई, दुर्गा प्रसाद गौतम,आचार्य ऋषभ शर्मा,पंडित उमेश पांडे,श्रुतिधर दिवेदी,दीपक शास्त्री अनिरुद्ध शुक्ल , महंत रामकृष्ण दास, विमलकृष्ण दास , संत रामशंकर दास,आदि उपस्थित हुए ।

पुलिस ने महिलाओं को सुरक्षा के प्रति किया जागरुक

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) महिलाओं व लड़कियों को सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिये जिले के सभी थाना

क्षेत्रों में पुलिस ने अभियान चलाया।इस मौके पर शनिवार को जिले के सभी थाना क्षेत्रों में "मिशन शक्ति" अभियान के तहत नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन, महिलाओं एवं बालिकाओं में सशक्तिकरण व विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से अयोध्या पुलिस द्वारा बालिकाओं/छात्राओं को पंपलेट के माध्यम से 1090–वीमेन पॉवर लाइन, 181–महिला हेल्प लाइन, 108–एम्बुलेंस सेवा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112–पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098–चाइल्ड लाइन, 102–स्वास्थ्य सेवा आदि के बारे में महिलाओं को पुलिस ने जागरूक किया।वही इसी के साथ साथ जिले में गठित एन्टी रोमियो टीम द्वारा शहर व कस्बों के विभिन्न स्थानों पर एक अभियान चलाकर वहां पर मनचलो शोहदो द्वारा छेड़छाड़ करने वाले अराजक तत्वों पर शिकंजा कसा।वही इसी कड़ी में महिला उत्पीड़न की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने के दृष्टिगत सतत निगरानी करते हुए व्यापक अभियान चलाया गया।

एसएसपी ने सुनी फरियादियों की फरियाद

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) नवागत एसएसपी मुनिराज जी ने सोमवार को पुलिस लाइन स्थित अपने कार्यालय पर फरियादियों की समास्याओं को गंभीरता पूर्वक सुनी।इस दौरान उन्होंने

वहां पर जनता की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निस्तारण एवं कार्यवाही हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया।इस मौके पर फरियादियों से और उन्होंने उनकी समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुनकर उसका निराकरण दिशा निर्देश संबंधित पुलिसकर्मियों को दिए वह इसी कड़ी में उन्होंने फरियादियों से हाथी अगर उनकी समस्या संबंधित थाना पुलिस चौकी ओपन नहीं सुनी जाती तो वे बेहिचक उनके सीयूजी नंबर पर संपर्क कर सकते हैं और अगर जरूरत पड़े तो उनके कार्यालय पर अपनी समस्या को बता सकते हैं इसके लिए उनके कार्यालय के दरवाजे हमेशा खुले रहेंगे।

एच सी जे एकेडमी मे दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का हुआ समापन

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) एच सी जे एकेडमी का दो दिवसीय वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आज समापन हुआ । समापन समारोह में मुख्य अतिथि रीमा श्रीवास्तव असिस्टेंट रजिस्ट्रार अवध विश्वविद्यालय के साथ प्रबंधक सी पी जैन, मंजू जैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर शिक्षा जैन ने मसाल प्रज्वलित किया । स्वागत गीत एवं परेड के साथ मुख्य अतिथि का अभिवादन किया गया । क्रीडा समारोह में जैवलिन थ्रो, डिस्कस थ्रो, शटलरेस , रिले रेस, खो खो, जुंबा डांस, रिंग रेस, फुटबॉल एरोबिक्स, कबड्डी सहित अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । समारोह में प्रधानाध्यापिका इंदू ओझा ने अपने उद्बोधन ने कहा कि खेल खेलना तथा खेल भावना के साथ आपसी प्रेम एवं भाईचारे के साथ प्रसन्नता से ही रहना उत्तम स्वास्थ्य का आधार है । वही प्रशासनिक अधिकारी अशोक तिवारी ने छात्र–छात्राओं का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि खेलकूद के संकल्प से रहने का यह विकल्प है । साथ ही विद्यालय की शिक्षक शिक्षिकाओं की कुशल मार्गदर्शन हेतु उनकी सराहना की । प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले शिवाय, शशांक, वैष्णवी, शेष बहादुर,अभिराज, पीयूष, प्रत्यूष, आमोद,कोविद, रोनक,आयुष, शक्षम, अथर्व,दर्शिता, अंकुश, दिव्यांशी, शांभवी, अर्नव,अथर्व, रणबीर, समर्थ, सृष्टि,कार्तिकेय, पुष्कर,अनुभव, तन्मय,दिशा, सुकीर्ति,आर्यन, आराध्या, मान्या, निधि पांडे, शिवांश एवं मुस्कान रहे । द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले तनिष्क, श्रेयांश, विधि, आध्या, विनायक, हर्षाली, कुशाग्र, अनुराग, तेजस,सोनल, कुंज,प्रताप, कुणाल,यस, स्तुति, मान्या, लहर, प्रशस्ति, शिवा, ओम, आदर्श, आराध्या,सानवी, सृजन,सिद्धि, कृतिका, नमन,श्रुति, त्रयंबक, इच्छा, आदित्य,तन्मय, स्मृति,आर्यवीर, अर्पिता, अंकुर, आयुष, स्तुति, सौम्या, अंशी,वर्णिका, निजाम एवं भूमि रहे । तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मैंने देवी, शिवेश, आराध्य, सूर्यांश, अद्विका, शिखर, आर्या , सुखी, हर्षित, साहित्य, नित्य, लक्ष्य,अनादि, नैंसी, अभिनव, ऋषि, शुभ, अंशुमान, आशी, आराध्या, सूरज, अध्ययन, दृष्टि, सुमित, रित्विक, शांतनु, अक्षत, वैष्णवी, सिमरन, अक्षिता, रौनक, हर्ष एवं श्रेया रहे । प्रतियोगिता में विजय छात्र छात्राओं को मेडल देकर पुरस्कृत किया गया।

नगर पंचायत अध्यक्ष पद के प्रत्याशी आरक्षण सूची आने का कर रहे इंतजार : सभासद बनने वाले दावेदार हुए मायूस : पत्नी व बहूएं संभालेंगी कमान

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड ओं की आरक्षण सूची जारी हो चुकी है अब सभी की निगाहें नगर पंचायत अध्यक्ष पद के आरक्षण पर टिकी है। शनिवार को लखनऊ में प्रस्तावित नगर विकास मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस स्थगित हो जाने के बाद अध्यक्ष पद पर आरक्षण को लेकर राजनीतिक हलके में बेचौनी और बढ़ गई है। फिलहाल नवसृजित नगर पंचायत कुमारगंज अध्यक्ष पद की सीट के आरक्षण को लेकर दुकानों पर छोट भैया नेता नगर पंचायत के अध्यक्ष पद को लेकर कभी महिला सामान्य का दावा ठोकते हैं तो कभी ओबीसी का दावा ठोक रहे हैं। आरक्षण को लेकर तरह–तरह के कयास लगाए जा रहे हैं सियासी गलियारे में यही चर्चा तेज है कि अध्यक्ष पद के उम्मीदवार अब अपने प्रचार प्रसार में धीमी गति ला लिए हैं, दर्जनों लोगों का कहना है कि नगर पंचायत कुमारगंज अध्यक्ष पद को लेकर क्षेत्रीय नेता से लेकर जिले तक के बड़े नेता सामान्य सीट इसलिए नहीं करवाना चाहते हैं कि ब्राह्मण और क्षत्रिय दोनों का वोट हमारे पालने में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए बना रहे। एक दर्जन लोगों नगर पंचायत अध्यक्ष पद के प्रत्याशी के रूप में पंचायत क्षेत्र में मतदाताओं से अपने पक्ष में वोट लेने के लिए तरह–तरह के हथकंडे अपना रहे हैं , भले ही आरक्षण की घोषणा अभी नहीं हुई है लेकिन मतदाता भी प्रत्याशियों को टटोलने में जुट गए हैं। वहीं दूसरी ओर नगर पंचायत चुनाव को लेकर वार्डो की आरक्षण सूची जारी होने के बाद चुनाव का समीकरण सभासद प्रत्याशियों की गुणा गणित गड़बड़ा गई है। और उनका खेल खराब हो गया है लंबे समय से सभासद बनने का सपना देख रहे दावेदार अब मायूस हो गए हैं ,अब लोग अपनी पत्नी और बहू के माध्यम से नगर पंचायत पर काबिज होने की जुगत बैठा रहे हैं।

भारत की जनवादी नौजवान सभा जिला कमेटी की बैठक सम्पन्न

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) भारत की जनवादी नौजवान सभा जिला कमेटी की बैठक जिला कार्यालय बजीरगंज में जिलाध्यक्ष कॉम धीरज द्विवेदी की अध्यक्षता व जिलासचिव कॉम शेरबहादुर शेर के संचालन में समपन्न हुई। बैठक में प्रांतीय नेता व पर्यवेक्षक कॉम अरविंद श्रीवास्तव व कॉम सुंदरी मौजूद रहे। बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रांतीय नेता कॉम अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आज युवाओं के सामने रोजगार का बड़ा संकट है और सरकार युवाओं के लिए कोई ठोस योजना नही बना रही है जिससे देश मे बेरोजगारों की फौज खड़ी हो गई है।और सरकार रोजगार देने की घोषणा 2 करोड़ प्रतिवर्ष का किया लेकिन आज तक कुछ नही किया।देश की सरकार सिर्फ नफरत फैलाने का काम कर रही है इससे समाज बंट रहा है।इसलिए आज हमारी जिम्मेदारी है कि बेरोजगारी के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार रहना होगा। जिलाध्यक्ष धीरज द्विवेदी ने कहा कि संगठन को बढाने के लिए सबको एकजुट होकर मजबूत करने के लिए संगठित होना होगा।पूरे जिले में सदस्यता अभियान चला कर 15 हजार नए युवाओं को जोड़ना होगा।और जन मुद्दों को लेकर आंदोलन करना ही होगा।तभी संगठन मजबूत होगा और संघर्ष आगे बढ़ेगा।

खाकी वाले गुरुजी का अपना स्कूल अयोध्या के बच्चों में डॉ सर्वेश वर्मा ने वितरित किया स्वेटर

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) जनपद अयोध्या के मलिन बस्ती जयसिंहपुर वार्ड में गरीब असहाय और भिक्षावृत्ति से जुड़े बच्चों के लिए सब इंस्पेक्टर रणजीत यादव खाकी वाले गुरुजी द्वारा खोले गए अपना स्कूल में जनपद अयोध्या की समाज सेवा में अग्रणी संस्था श्री गजानन महाराज संस्थान के सचिव डॉ सर्वेश वर्मा और अध्यक्ष डॉ मंगला वर्मा अपने सहयोगियों संग बच्चों के बीच पहुँचकर उनसे पठन पाठन करवाया। ठण्ड के बढ़ते हुए मौसम को देखते हुए अपना स्कूल के असहाय और गरीब बच्चों को गरम कपड़े की सख्त जरूरत थी। सब इंस्पेक्टर रणजीत यादव ने डॉ सर्वेश वर्मा से अपना स्कूल के बच्चों की आवश्यकताओ के बारे में 5 दिन पूर्व चर्चा किया था ।आज दिनाँक 4/12/2022 को डॉ सर्वेश वर्मा द्वारा अपना स्कूल के प्रत्येक बच्चे को आसमानी रंग का स्वेटर प्रदान किया गया। मासूम नन्हे बच्चों के चेहरे उपहार पाकर प्रसन्नता से फूल उठे। बच्चों ने अतिथियों का स्वागत फूल खिले फूल खिले समूह गान प्रस्तुत करके किया। समाजसेवी डॉ सर्वेश वर्मा ने रणजीत यादव और ऋषभ शर्मा को अंगवस्त्र प्रदान कर नेक कार्य करने के लिए बधाई दिया। इस मौके पर श्री गजानन महाराज संस्थान के सदस्य संतोष श्रीवास्तव दीपक पटेल तथा अपना स्कूल के शिक्षक ऋषभ शर्मा उर्फ शिवा मौजूद रहे।खाकी वाले गुरुजी सुपरकॉप रणजीत यादव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

गोरखपुर जिले के 20 गांवों में 42 लाख रुपये की लगाई जाएगी सोलर लाइट : रोशन होंगे गांव

गोरखपुर ब्यूरो : योगी सरकार प्रदेश के प्रत्येक जिले में 20 गांवों के सार्वजनिक स्थानों पर सोलर लाइट लगवाएगी। प्रत्येक गांव में 10 सोलर लाइट लगाई जाएगी। पहले चरण में एक जिले पर करीब 42 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। एक सोलर लाइट की कीमत करीब 22 हजार रुपये होगी। प्रदेश में अलग–अलग सरकारों ने गांवों में सोलर लाइट लगाने का प्रावधान किया था। सपा सरकार में लोहिया समग्र गांवों का चयन करके उनमें आवास के अलावा सोलर लाइट लगाई जाती थी। योगी आदित्यनाथ जब मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने योजना का नाम बदल कर मुख्यमंत्री विकास योजना कर दिया। अब इसका नाम बाबू जी कल्याण सिंह ग्राम उन्नति योजना कर दिया गया है। योजना के तहत गोरखपुर के 20 गांवों का चयन किया गया है। एक गांव में 10 सोलर लाइट लगाई जाएगी। सोलर लाइट लगाने के लिए गांवों का चयन डीपीआरओ के माध्यम से किया जा रहा है। अब तक 10 गांवों का चयन कर सूची नेडा को उपलब्ध करा दी गई है। शेष 10 गांवों के चयन की प्रक्रिया चल रही है। सोलर लाइट

में छह मीटर का पैनल लगाया जाएगा, जिसमें 12 वाट की एलईडी होगी। जनपद में एक बार में 42 लाख रुपयों की सोलर लाइट लगाई जाएगी।नेडा परियोजना अधिकारी वीके मल्ल ने कहा कि बाबू जी कल्याण सिंह ग्राम उन्नति योजना के तहत जिले के 20 गांवों का चयन कर सोलर लाइट लगाई जाएगी। प्रत्येक गांव में सार्वजनिक स्थानों पर 10 सोलर लाइट लगाई जानी है। इस पर करीब 42 लाख रुपये खर्च होंगे।

महिला स्वयं सहायता समूहों की समूह सखियों व सक्रिय महिला सदस्यों को दिया गया प्रशिक्षण

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) तारुन ब्लॉक सभागार में शनिवार को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत महिला स्वयं सहायता समूहों की समूह सखियों व सक्रिय महिला सदस्यों की ग्राम पंचायत विकास परियोजना के अंतर्गत बीपीआरपी विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षक एडीओ आईएसबी सुरेश कुमार ,ब्लॉक मिशन मैनेजर सूर्यभान यादव व कांती कुमारी ने बताया कि जीडीडीपी हेतु ग्राम पंचायत की खुली बैठक में कार्ययोजना बनते समय ग्राम गरीबी उन्मूलन योजना की योजना को चिन्हित करके समूह द्वारा प्रस्ताव कराया जाना है। ग्राम गरीबी उन्मूलन योजना की योजना की चार श्रेणियों– 1– हकदारी, 2–आजीविका, 3–लोक सम्पत्ति सेवा उद्यम विकास,4– सामाजिक विकास के अंतर्गत आवास ,मनरेगा,पेंशन, खेती उद्योग, पशुपालन, स्कूल अस्पताल, नशा मुक्ति दहेजप्रथा आदि से संबंधित कार्य योजना का प्रस्ताव तैयार करके जी पी डी पी की बैठक में शामिल कराने हेतु राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत महिला स्वयं सहायता समूहों की समूह सखियों व सक्रिय महिला सदस्यों की ग्राम पंचायत विकास परियोजना के अंतर्गत प्रशिक्षण दिया गया।

लूट के तीन आरोपियों पर गैंगस्टर में पुलिस ने की कार्यवाही

गोरखपुर ब्यूरो : राह चलते लोगों से लूट करने के तीन आरोपियों पर रविवार को गीडा पुलिस ने गैंगस्टर का केस दर्ज किया। डीएम से अनुमति मिलने के बाद पुलिस ने गिरोहबंद करने की कार्रवाई की है। जानकारी के मुताबिक, बेलीपार के जंगल अखलासपुर निवासी अखिलेश यादव उर्फ रतन, गीडा के पिपरी निवासी गोलू उर्फ सत्या यादव व कुशीनगर के रामकोला इलाके के मुरली छपरा निवासी बेचू निषाद पर केस दर्ज किया गया है। तीनों ने 11 अक्तूबर को गीडा इलाके के रहने वाले सूरज चौधरी की मां से लूट की थी। इसके पहले भी पति के साथ जा रही एक महिला से पर्स लूटकर फरार हो गए थे। अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस ने तीनों बदमाशों की

पहचान कर गिरफ्तारी की थी। अखिलेश यादव पर 18, गोलू उर्फ सत्या पर आठ और बेचू निषाद पर तीन मुकदमे दर्ज हैं।

धन्जौ–परसौली मार्ग पर चलना खतरे मोल लेने जैसा

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) हैरिंग्टनगंज ब्लाक के बीकापुर– इनायत नगर सम्पर्क मार्ग पर ग्राम घुरेहटा के धन्जौ से प्रभातनगर– हैरिंग्टनगंज सम्पर्क मार्ग पर परसौली गांव को जोड़ने वाले धन्जौ–परसौली मार्ग पर चलना आसान नहीं है। मार्ग की हालत बद से बद्तर हो चुकी है। जगह जगह बड़े–बड़े गड्ढे हो चुके हैं। लोगों ने बताया कि इस जर्जर मार्ग पर गिरकर कई राहगीर चोट खा चुके हैं। हैरिंग्टनगंज के पूर्व जिपं सदस्य विनय कुमार सिंह ने डीएम को शिकायती पत्र देकर मार्ग दुरुस्त कराने की मांग की है। ग्राम हतवा निवासी कुलदीप शुक्ला ने बताया कि धन्जौ–परसौली मार्ग की हालत इतनी खराब है कि इस मार्ग पर पग–पग पर गड्ढे हो गए हैं। सायकिल और बाइक से चलने वाले राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसी तरह से ग्राम जहानपुर निवासी कर्मवीर सिंह ने कहा कि सरकार ने 30 नवम्बर तक गड्ढा मुक्त अभियान चलाया था। लेकिन दिसंबर महीने में भी इस मार्ग के गड्ढे नहीं भरे जा रहे हैं। वहीं डीएम को दिए गए शिकायती पत्र पर उन्होंने पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन को मार्ग दुरुस्त कराने का निर्देश दिया है।

सम्पादक मंडल
श्री शिवशंकर द्विवेदी संयुक्त सचिव (सेवा निवृत्त) उ0प्र0 शासन, लखनऊ, पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।